RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 208 , गुरुवार, 10 सितंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

भजन क्लबिंग में देर रात तक झूमे श्रद्धालु, भक्ति के साथ दिखा आधुनिक संगीत का रंग 03

बाढ़ प्रभावित इलाकों का प्रभारी मंत्री और डीएम ने लिया जायजा 04

सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस में नजर आएंगी अरिश्फा खान... 07

कच्चा तेल 100 डॉलर पार

6 हफ्ते में सबसे महंगा

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने का असर

नईदिल्ली (एजेंसी)। कच्चे तेल यानी क्रूड ऑयल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है। आज यानी 9 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड के दामों में 2.25 प्रतिशत का इजाफा हुआ। इसकी वजह अमेरिका-ईरान के बीच फिर तनाव बढ़ना बताया जा रहा है। इस बढ़ोतरी के पहले क्रूड की कीमत 98 बैरल प्रति डॉलर थी।

इससे पहले 24 जुलाई को क्रूड का दाम 100 बैरल प्रति डॉलर पहुंचा था। अगर कच्चे तेल के दाम ऐसे ही बढ़ते रहे तो इससे पेट्रोल-डीजल और एलपीजी के दाम बढ़ सकते हैं।

- **स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का बंद होना बड़ा कारण-** क्रूड ऑयल बढ़ने की सबसे बड़ी वजह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का बंद होना है। ये करीब 167 किमी लंबा जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। ईरान जंग के कारण यह रूट अब सुरक्षित नहीं रहा है। खतरे को देखते हुए कोई भी तेल टैंकर वहां से नहीं गुजर रहा। दुनिया के कुल पेट्रोलियम का 20 प्रतिशत हिस्सा यहीं से गुजरता है। सऊदी अरब, इराक और कुवैत जैसे देश भी अपने निर्यात के लिए इसी पर निर्भर हैं। भारत अपनी जरूरत का 50 प्रतिशत कच्चा तेल और 54 प्रतिशत एलएनजी इसी रास्ते से मंगाता है। ईरान खुद इसी रूट से एक्सपोर्ट करता है।
- **अमेरिका ने ईरान के 5 क्रूड ऑयल टैंकर तबाह किए-** तेल की कीमतों में इस ताजा उछाल की मुख्य वजह अमेरिका और ईरान के बीच शुरू हुई नई सैन्य झड़पें हैं। यूएस सेंट्रल कमांड ने मंगलवार देर रात बयान जारी कर बताया कि अमेरिकी सेना ने ईरान के 5 तेल टैंकरों को नष्ट कर दिया। अमेरिका का दावा है कि उसने यह कार्रवाई ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स द्वारा अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत पर बैलिस्टिक मिसाइल से किए गए हमले के जवाब में की है।

राहुल गांधी ने मोबाइल पर मंत्री को टूटी सड़कें दिखाईं

- **रायबरेली में अफसरों से पूछा- सरकार पैसे दे रही तो काम क्यों नहीं हो रहा?**

रायबरेली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रायबरेली में बुधवार को बैठक में कैबिनेट मंत्री मनोज पांडेय को अपने मोबाइल पर टूटी सड़कें दिखाईं। राहुल ने डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कोऑर्डिनेटिंग कमेटी (दिशा) की मीटिंग में जर्जर सड़कों और गड्ढों की तस्वीरें दिखाकर पीडब्ल्यूडी अधिकारियों और डीएम से पूछा कि सड़कों की हालत ऐसी क्यों है?

राहुल ने कहा कि जब सरकार फंड दे रही है तो काम क्यों नहीं हो रहा है? आप लोग क्या कर रहे हैं? इस मीटिंग में ऊंचाहार से बीजेपी विधायक मनोज पांडेय, एमएलसी और राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह भी मौजूद थे। कलेक्ट्रेट में करीब ढाई घंटे बैठक से पहले राहुल ने सुबह जनता दरबार लगाया, जहां महिला कांग्रेस नेता ने उन्हें राखी बांधी।

संक्षिप्त समाचार

योगी फॉलोअर्स के मामले में देश के नंबर एक मुख्यमंत्री

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने प्रयास से प्रदेश को तमाम योजनाओं के क्रियान्वयन में नंबर एक पर लाने के बाद अब अपनी लोकप्रियता का भी डंका बजवाया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने लोकप्रियता में तमिलनाडु के विजय को पीछे छोड़ दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोशल मीडिया पर फैन फॉलोइंग में देश के सभी सीएम को पीछे छोड़ दिया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पॉपुलैरिटी में अन्य सभी सीएम को पीछे छोड़ दिया है। अब लोकप्रियता में देश के नंबर–एक सीएम हैं योगी आदित्यनाथ। सीएम योगी आदित्यनाथ सोशल मीडिया के 'किंग' बने। उन्होंने फॉलोअर्स की संख्या के मामले में तमिलनाडु के सीएम को पछाड़ा है।

जहरीली शराब से 28 मौतें, 17 आरोपियों पर इनाम

भोपाल/ सागर (एजेंसी)। सागर जिले के बंडा और शाहगढ़ विकासखंड के गांवों में जहरीली शराब पीने से 28 लोगों की मौत हो चुकी है। कई मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं। हालांकि, प्रशासन ने अब तक 15 मौतों की पुष्टि की है। अवैध शराब के नेटवर्क को ध्वस्त करने और दोषियों पर कार्रवाई के लिए प्रशासन ने तीन स्तर पर अभियान शुरू किया है। इसमें घर–घर सर्वे, चौपाल और कानूनी कार्रवाई शामिल है। वहीं, कांग्रेस ने शासन–प्रशासन पर मौतों का आंकड़ा छिपाने का आरोप लगाया है।

मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला

रेलवे के 7 नए प्रोजेक्ट मंजूर, अब लेट नहीं होंगी ट्रेनें

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार देश में रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और ट्रेनों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए आधुनिकीकरण पर लगातार जोर दे रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में रेलवे आधुनिकीकरण से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को हरी झंडी दी गई।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि देश के 11,000 किलोमीटर लंबे हाई–डेंसिटी नेटवर्क में से 7 प्रमुख कॉरिडोर ऐसे हैं, जिन पर भारतीय रेलवे का लगभग 40 फीसदी ट्रैफिक निर्भर करता है।

बिहार में 8 नदियां उफान पर, 14 जिलों में बाढ़

40 लाख लोग प्रभावित

यूपी के 3 जिलों में स्कूल बंद, उत्तराखंड के पौड़ी में लैंडस्लाइड; एमपी में बारिश थमी

- **बिहार में बाढ़ से 40 लाख लोग प्रभावित-** बिहार में पिछले 5 दिनों से हो रही तेज बारिश के बाद 14 जिलों में 40.21 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक, 14 जिलों के 84 प्रखंडों की 514 ग्राम पंचायतों में बाढ़ का असर है।
- **पश्चिम बंगाल के मालदा में गंगा का जलस्तर बढ़ा-** पश्चिम बंगाल के मालदा में गंगा का जलस्तर बढ़ने से महानंदा टोला और आसपास के इलाकों में बाढ़ और तेज कटाव की स्थिति बनी हुई है। इससे करीब 15 से 20 हजार लोग प्रभावित हुए हैं।

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में गंगा समेत 8 नदियां उफान पर हैं। राज्य के 14 जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। इससे करीब 35.89 लाख लोग प्रभावित हैं। कोसी, गंडक और घाघरा नदियां लाल निशान से ऊपर बह रही हैं। सारण में माही नदी पर बना जमींदारी बांध टूटने से स्थिति गंभीर हो गई है।

लखनऊ से सटे बाराबंकी में दूरसंचार केंद्र सरयू में समाया

यूपी में लगातार हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं। 26 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 4 लाख की आबादी प्रभावित है। लखनऊ से सटे बाराबंकी में सरयू का कटान तेज हो गया है। मंगलवार को दूरसंचार केंद्र नदी में समा गया। फर्रुखाबाद में गंगा का पानी गांवों में घुस गया। लोग बड़ी कड़ाही को नाव बनाकर आवाजाही कर रहे हैं। 10 दिन में 15 मकान गंगा में समा चुके हैं। प्रयागराज में हनुमान मंदिर अब पानी से घिरा हुआ है। 10वें दिन भी लेटे हनुमानजी जलमग्न हैं। कानपुर और उन्नाव में पांडू नदी का पानी बस्तियों में घुस गया है। गलियों में नावें चल रही हैं। बिजनौर में गंगा नदी के बाढ़ के पानी के साथ मगरमच्छ रिहाइशी इलाके में पहुंच गया। गांव वालों ने उसे रस्सी से बांधकर वन विभाग को सौंप दिया। बलिया में सरयू की बाढ़ में कारें और बाइकें डूब गईं। इधर, बुधवार सुबह से प्रयागराज, कौशांबी, भदोही समेत 10 शहरों में रुक–रुक कर बारिश हो रही है। पूर्वी यूपी के ज्यादातर शहरों में बादल छाए हैं।

अजमेर-रोक के बाद भी प्रत्याशी का ऊंटों पर रोड-शो

जयपुर में सीएम भजनलाल शर्मा बोले- लव जिहाद की समस्या खत्म कर दी

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में निकाय चुनाव के दूसरे चरण के प्रचार के अंतिम दिन सीएम भजनलाल शर्मा ने जयपुर में रोड शो किया। सीएम ने कहा कि हमारी सरकार ने जयपुर सहित प्रदेश में लव जिहाद की समस्या खत्म कर दी। हमने जो ढाई साल में काम किया है, उससे कांग्रेस के दर्द होने लगा है।

इधर, अजमेर में भाजपा प्रत्याशी ने ऊंटों पर रोड शो निकाला। हालांकि निर्वाचन आयोग की ओर से ऊंटों पर प्रचार करने पर रोक लगी हुई है। अलवर में मंगलवार रात वार्ड 42 में एक कार में से लोग मिठाई के डिब्बे उतार रहे थे।

- **सीएम ने 1 किमी का रोड शो किया-** सीएम भजनलाल शर्मा ने सांगानेरी गेट से त्रिपोलिया गेट तक रोड शो किया। इस रोड शो के जरिए सीएम ने तीन विधानसभा क्षेत्र के करीब 20 वार्डों में बीजेपी का प्रचार किया। सीएम ने 1 किमी का रोड शो किया।
- **गहलोत सरकार में लोगों को जबरदस्ती परकोटे से बाहर भेज देते थे-** सीएम भजनलाल ने कहा– गहलोत साहब आपके समय जो घटनाएं होती थी, लोगों को जबरदस्ती परकोटे के बाहर भेज दिया जाता था। हम डिस्टर्ब एरिया बिल लेकर आए हैं, अब आपको डरने की जरूरत नहीं है। अगर आपको कोई परेशान करता है तो उसका स्थान जेल में होगा।

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र का जवाब

'मैरिटल रेप को अपराध बनाना संसद का काम', सुप्रीम कोर्ट का नहीं

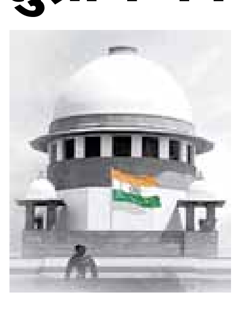

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्र सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि अगर मैरिटल रेप को अपराध घोषित करना है, तो यह फैसला विधायिका और कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में आता है, न कि सुप्रीम कोर्ट के।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह मैरिटल रेप को अपराध घोषित करने की मांग वाली याचिकाओं पर तीन हफ्ते के बाद अंतिम सुनवाई शुरू करेगा।

सीजेआई सूर्य कांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने निर्देश दिया कि इस मामले को तीन हफ्ते बाद बुधवार और गुरुवार को अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए। केंद्र की ओर से पेश होते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मैरिटल रेप को अपराध घोषित करना संसद का काम है, न कि सुप्रीम कोर्ट का।

राहुल गांधी पर सीजेआई सूर्यकांत बोले- पहले सुनवाई चाहिए तो अर्जी दाखिल करें, हमारे सामने सब मामले बराबर

राहुल गांधी के सेना पर दिए बयान से जुड़े मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट से जल्द सुनवाई की मांग की गई है।

अवैध निर्माण वाली इमारतों पर बुलडोजर चलेगा

सीएम रेखा का निर्देश- सभी हॉस्टलों की जांच करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सत्य निकेतन में पीजी बिल्डिंग गिरने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अवैध निर्माण के खिलाफ एक्शन के निर्देश दिए हैं। सीएम ने एमसीडी को अवैध पीजी हॉस्टलों की जांच के निर्देश भी दिए हैं। वरिष्ठ अधिकारी कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद रहेंगे।

वहीं, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने पीजी बिल्डिंग के पास की इमारतों को गिराना शुरू कर दिया है। इन इमारतों में गर्ल्स पीजी था। लड़कियां पीजी खाली कर दूसरी जगह शिफ्ट हो रही हैं। मंगलवार तक 24 संपत्तियों पर तोड़फोड़ की कार्रवाई और 7 अवैध ढांचों को सील किया जा चुका था।

सत्य निकेतन में 6 सितंबर को पांच मंजिला पीजी बिल्डिंग गिरने से 7 लोगों की मौत हुई थी। मामले में बुधवार तक 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार आरोपियों में पीजी मालिक, संचालक और लेबर कॉन्ट्रैक्टर- दिल्ली पुलिस ने पीजी हादसे में बुधवार को सुधांशु नाम के युवक को गिरफ्तार किया है।

टस से मस नहीं हो रहे उज्जैन में खड़े हनुमान जी, प्रशासन ने भी छोड़ीं कोशिशें

भक्तों का उमड़ रहा सैलाब; 'हनुमान प्रतिमा' पर ऊपर से होगा फैसला

उज्जैन (एजेंसी)। खड़े हनुमान जी की चर्चा पूरे देश में हो रही है। 10 दिन बीत जाने के बाद भी खड़े हनुमान जी अपनी जगह से टस से मस नहीं हुए हैं। अभी प्रशासन की ओर से कोशिशें भी रुक गई हैं। लेकिन भक्तों का सैलाब वहां उमड़ने लगा है। अटकलें हैं कि चर्चा शुरू होने के बाद आगे की कार्रवाई के लिए स्थानीय प्रशासन को ऊपर के आदेश का इंतजार है।

प्रशासन ने अभी रोक दी हैं कोशिशें- दरअसल, सड़क चौड़ीकरण को लेकर खड़े हनुमान मंदिर को तोड़ दिया गया है लेकिन प्रतिमा नहीं हटाई गई है।

प्राचीन दस्तावेजों के अनुसार यह मंदिर 200 साल पुराना है। हालांकि विशेषज्ञ हनुमान जी की प्रतिमा को परमार कालीन बता रहे हैं। प्रतिमा की शिफ्टिंग को लेकर विशेषज्ञों ने भी कोशिश की लेकन कोई हल नहीं निकल पाया है।

आईआईटी से भी पहुंचे विशेषज्ञ- उज्जैन प्रशासन को यह डर है कि प्रतिमा उठाने पर खंडित हो सकती है। सनातन धर्म में खंडित प्रतिमा को स्थापित नहीं की जा सकती है। प्रतिमा अगर अपलिफ्ट करने में खंडित होती है तो विवाद बढ़ सकता है। ऐसे में प्रशासन ने विशेषज्ञों की मदद ली है। उनसे वह तकनीक जानना चाह रही है, जिससे से खड़े हनुमान जी की प्रतिमा को कोई नुकसान नहीं पहुंचे।

भक्तों का उमड़ रहा है सैलाब- वहीं, खड़े हनुमान जी को अभी तक प्रशासन हिला नहीं पाई है। इस बीच भक्तों का सैलाब भी वहां पर उमड़ने लगा है। मंगलवार के दिन से लगातार भक्त वहां पहुंच रहे है। रात की आरती में हजारों की संख्या में लोग पहुंचे थे। बुधवार को भी कांग्रेस विधायक समेत वहां अन्य भक्त पहुंचे। बाल भक्तों ने खड़े हनुमान जी के सामने हनुमान चालीसा का पाठ किया है।

बीमारी से पीड़ित लोग आते हैं यहां- खड़े हनुमान जी वर्षों से वहां विराजित हैं। लोग अपनी फरियाद लेकर हनुमान मंदिर में आते थे। इसलिए उन्हें डॉक्टर हनुमान भी कहते हैं।

क्या आ रही हैं दिक्कतें

- खड़े हनुमान जी की प्रतिमा आठ फीट ऊंची है और जमीन के नीचे शीला पर स्थापित
- खुदाई कर उठाने के दौरान प्रतिमा को नुकसान की आशंका
- नुकसान की वजह से प्रशासन नहीं उठा पा रही कोई कदम
- हिंदू संगठनों का कहना है कि खड़े हनुमान जी कोई नुकसान नहीं पहुंचे

सबकी नजरें अब आईआईटी इंदौर की आने वाली रिपोर्ट पर टिकी हैं

अब पूरे शहर की निगाहें आईआईटी इंदौर की आने वाली रिपोर्ट पर टिकी हैं। यह रिपोर्ट ही तय करेगी कि क्या खड़े हनुमान को उनकी वर्तमान जगह से सुरक्षित हटाकर नई जगह ले जाया जा सकता है, या फिर तकनीकी अड़चनों के चलते प्रशासन को अपने रोड चौड़ीकरण के प्लान में बदलाव करना पड़ेगा। तब तक के लिए यह स्थल शहर में चर्चा का सबसे बड़ा केंद्र बना हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

मवेशी कारोबारी की हत्या-लूट का खुलासा, महुआ में 1 सितंबर को हुई थी गोली मारकर हत्या

हाजीपुर। वैशाली के महुआ में मवेशी कारोबारी पिता-पुत्र से हुई लूट और हत्या की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। बिहार एसटीएफ और वैशाली पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दो आरोपियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इनके पास से देशी पिस्टल, चार जिंदा कारतूस, स्प्लेंडर बाइक, दो मोबाइल फोन, घटना के समय पहने कपड़े और एक थैला बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुजफ्फरपुर के सुस्ता माधोपुर निवासी मनीष कुमार और सीतामढ़ी के शुगरी डीह निवासी कुंदन कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, मनीष के खिलाफ पहले से ट्रक चोरी, आर्म्स एक्ट और लूट समेत कई मामले दर्ज हैं। घटना 1 सितंबर की रात महुआ थाना क्षेत्र के फुदेनी पोखर के पास हुई थी। पुलिस के मुताबिक, तीन बाइक सवार अपराधियों ने मवेशी कारोबारी लक्ष्मण राय और मिथिलेश कुमार को घेर लिया और लूटपाट करने लगे। विरोध करने पर बदमाशों ने गोली चला दी। गोली लगने से लक्ष्मण राय की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मिथिलेश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद महुआ थाने में कांड संख्या 933/26 दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए वैशाली एसएसपी के निर्देश पर महुआ एसडीपीओ के नेतृत्व में एसआईटी गठित की गई। टीम ने तकनीकी जांच के साथ मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। इसी क्रम में पुलिस ने बगहिया पुल के पास छापेमारी कर मनीष कुमार और कुंदन कुमार को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से हथियार और अन्य सामान बरामद हुए। पुलिस का दावा है कि पूछताछ में दोनों आरोपियों ने हत्याकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। साथ ही, उन्होंने अन्य लूट की घटनाओं में शामिल होने की जानकारी भी पुलिस को दी है। पुलिस अब उनके आपराधिक रिकॉर्ड और अन्य वारदातों में भूमिका की जांच कर रही है। दोनों आरोपियों के खिलाफ महुआ थाने में कांड संख्या 961/26 दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचे पप्पू यादव, परिवारों से मुलाकात कर परेशानियां सुनीं, राहत सामग्री कराई उपलब्ध

हाजीपुर। वैशाली के हाजीपुर में बाढ़ की मार झेल रहे लोगों के बीच पूर्णिया सांसद पप्पू यादव पहुंचे। उन्होंने बाढ़ पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उनकी परेशानियां सुनीं और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। इस दौरान उन्होंने जरूरतमंदों के बीच नकद आर्थिक सहायता भी बांटी। पप्पू यादव के पहुंचते ही बड़ी संख्या में बाढ़ प्रभावित लोग अपनी समस्याएं लेकर उनके पास पहुंचे। सांसद ने लोगों की बातों को गंभीरता से सुना और राहत कार्यों को लेकर स्थानीय लोगों से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आपदा की इस घड़ी में बाढ़ पीड़ितों को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए लगातार प्रयास जारी रहेगा। सांसद ने बाढ़ पीड़ितों के बीच राहत सामग्री भी उपलब्ध कराई। इसके बाद वे सामुदायिक किचेन पहुंचे, जहां उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ बैठकर भोजन किया। पप्पू यादव का पीड़ितों के साथ जमीन पर बैठकर खाना खाना लोगों के बीच चर्चा का विषय रहा। इस दौरान उन्होंने परिवारों का हालचाल जाना और उनकी तकलीफों को करीब से समझने की कोशिश की। पप्पू यादव इन दिनों लगातार बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर रहे हैं। उनका कहना है कि बाढ़ से प्रभावित लोगों को तत्काल राहत पहुंचाना सबसे जरूरी है। उन्होंने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से भी राहत कार्यों में तेजी लाने की अपील की। बाढ़ की मुश्किल घड़ी में आर्थिक सहायता के साथ लोगों के बीच पहुंचकर उनका दुख-दर्द बांटने की सांसद की पहल ने पीड़ित परिवारों को भावनात्मक संबल दिया। लोगों ने भी अपनी समस्याएं सांसद के सामने रखीं और मदद मिलने पर आभार जताया। इस दौरान पप्पू यादव के सामने एक बाढ़ पीड़ित किशोरी ने सामुदायिक किचन में मिल रहे भोजन की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। किशोरी ने आरोप लगाया कि बाढ़ पीड़ितों के लिए बनाए जा रहे खाने में कई बार दाल-चावल कच्चे रह जाते हैं और जली हुई दाल भी परोसी जाती है। किशोरी ने कहा कि जब अधिकारी निरीक्षण के लिए पहुंचते हैं, तब सारी व्यवस्थाएं दुरुस्त दिखाई जाती हैं, लेकिन अधिकारियों के जाते ही स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है। वहीं, कुछ लोगों ने बताया कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निरीक्षण के दौरान सामुदायिक किचन में व्यवस्थाएं बेहतर थीं, लेकिन उनके जाने के बाद फिर समस्याएं शुरू हो गई। किशोरी ने प्रशासन से मांग की कि बाढ़ पीड़ितों को स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण भोजन, अच्छे बिस्तर और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

साक्षरता दिवस पर कानूनी जागरूकता शिविर, लोगों को उनके अधिकार और मुफ्त कानूनी मदद की दी जानकारी

हाजीपुर। हाजीपुर में जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने अपने कार्यालय परिसर में अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर कानूनी जागरूकता शिविर लगाया। कार्यक्रम की शुरुआत जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आनंद नंदन सिंह ने की। इस दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आनंद नंदन सिंह ने कहा कि जमीनी स्तर पर कानूनी जागरूकता से समाज सशक्त होता है और न्याय से मजबूत राष्ट्र बनता है। नालसा की जागृति योजना का उद्देश्य लोगों को उनके अधिकारों और उपलब्ध कानूनी सेवाओं की जानकारी देकर न्याय तक आसान पहुंच सुनिश्चित करना है। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम मनोज तिवारी ने कहा कि सभी को मिलकर साक्षरता दर बढ़ाने की दिशा में काम करना चाहिए। साथ ही गांव-गांव में कानूनी जागरूकता शिविर लगाकर लोगों को न्याय के प्रति जागरूक करना चाहिए। प्रभारी सचिव प्रमोद कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया और धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन सदस्य सह सचिव डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला ने किया। उन्होंने सामान्य साक्षरता के साथ-साथ डिजिटल साक्षरता पर भी जोर दिया। शिविर में शिक्षा विभाग, व्यवहार न्यायालय, अधिवक्ता और पीएलवी के साथ-साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कई कर्मचारी भी शामिल रहे।

पटना में ओएलएक्स पर आईफोन बेचने के बहाने बुलाया, पिस्टल दिखाकर लूटपाट की

पटना। पटना के पीरबहोर थाना क्षेत्र में OLX पर iPhone 14 Pro Max बेचने के नाम पर युवक को बुलाकर लूटपाट करने वाले गिरोह के एक और आरोपी को पुलिस ने नोएडा से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान हर्ष राज उर्फ आदित्य उर्फ लंगा, पिता पंकज कुमार, निवासी टेकुआ टाड़, थाना रजौली, जिला नवादा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर स्थित गौर सिटी सेंटर, थाना बिसरख क्षेत्र से गिरफ्तार किया। मामला 25 दिसंबर 2025 का है। पश्चिमी चंपारण के शकील आलम ने पुलिस को बताया था कि उन्होंने OLX पर सूरजभान नाम की आईडी से iPhone 14 Pro Max बिक्री के लिए देखा था। फोन खरीदने के लिए उन्होंने उस आईडी पर मैसेज किया। इसके बाद मोबाइल नंबर 7735962477 से उनके पास कॉल आया और फोन दिखाने के लिए उन्हें कृष्णाघाट मोड़ बुलाया गया। शकील वहां पहुंचे तो दो युवक उन्हें फोन दिखाने के बहाने पटना साइंस कॉलेज परिसर में रसायन विज्ञान विभाग के पोर्टिको के पास ले गए। वहां पहले से दो अन्य युवक मौजूद थे। चारों ने पिस्टल दिखाकर शकील के साथ मारपीट की और उनका मोबाइल फोन तथा हीरो ग्लैमर मोटरसाइकिल (BR-22X-4205) लूटकर फरार हो गए। घटना को लेकर पीरबहोर थाना में शिकायत दर्ज हुई थी। पुलिस ने मोबाइल के अंतिम लोकेशन और तकनीकी जांच के आधार पर उसी दिन सैदपुर हॉस्टल के सामने वाली गली से लूटी गई बाइक बरामद कर ली थी। जांच के दौरान CCTV फुटेज और तकनीकी एवं मानवीय अनुसंधान के आधार पर रितु राज उर्फ गोलू और अंकित कुमार उर्फ अंकित भारद्वाज को गिरफ्तार किया गया। दोनों के स्वीकारोक्ति बयान और CCTV फुटेज के आधार पर पुलिस ने अन्य आरोपियों की पहचान की। इस मामले में पुष्कर सिंह को भी 11 जून 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। हर्ष राज उर्फ आदित्य उर्फ लंगा और प्रकाश मोहन उर्फ शुक्ला की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी। इसी क्रम में पुलिस ने हर्ष राज को नोएडा से गिरफ्तार किया। ट्रांजिट रिमांड के बाद मंगलवार को उसे पटना सदर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से न्यायालय के आदेश पर उसे आदर्श कारा, बेउर भेज दिया गया।

पटना में 3 दिनों के अंदर दूसरी बार एनआईए की रेड

एजेंसी, पटना

पटना में 3 दिनों के अंदर दूसरी बार NIA ने रेड की है। बुधवार की सुबह जांच एजेंसी की टीम चित्रगुप्त नगर इलाके के साईं कुसुम इनफिनिटी अपार्टमेंट पहुंची। यहां दो फ्लैट 1206 और 609 पर टीम ने दबिश दी है। यह दोनों फ्लैट संदीप नाम से लिया गया है। NIA की टीम में 8 लोग हैं। बताया जाता है कि झारखंड की राजधानी रांची में RSS कार्यालय पर हुए बम से हमले को लेकर यह रेड की जा रही है। RSS ऑफिस पर हुए हमले को लेकर दिल्ली से एक आरोपी को अरेस्ट किया गया है। उसकी ही निशानदेही पर NIA की टीम पटना पहुंची है। सदर SDPO-वन मनोज कुमार ने बताया कि रांची में RSS के दफ्तर पर हमला हुआ था। इस मामले में NIA को कुछ इनपुट मिली, जिसके आधार पर संदीप के दो फ्लैट में तलाशी की जा रही है।

8 सितंबर को NIA की पहली छापेमारीः इससे पहले चित्रगुप्त नगर थाना क्षेत्र में 8 सितंबर को इसी साईं कुसुम इनफिनिटी अपार्टमेंट में NIA ने छापेमारी की थी। NIA की कार्रवाई के दौरान करीब 20 लाख रुपए नकद के साथ एक युवक को पकड़ा गया था। मामले की जानकारी इनकम टैक्स विभाग को भी दी गई थी। इसी कार्रवाई में NIA की टीम ने आतंकी गतिविधियों में शामिल एक और युवक को पकड़ा था। सूत्रों की मानें तो साईं कुसुम इनफिनिटी के फ्लैट संख्या- 609 से एक मोस्टवांटेड को पकड़ा गया था, जिसे NIA अपने साथ लेकर गई थी।

20 लाख कैश के साथ पकड़ा गया था युवक

कार्रवाई मेन रोड से सटे जुडियो मॉल के पास स्थित एक अपार्टमेंट में हुई। NIA की टीम एक फ्लैट में छापेमारी के लिए पहुंची थी। इसी दौरान टीम गलती से दूसरे फ्लैट में घूस गई। पुलिस सूत्रों की मानें तो NIA की टीम को देखकर दूसरे फ्लैट में रहने वाला शख्स घबरा गया और फ्लैट से नीचे उतरकर भागने लगा। अपार्टमेंट के नीचे पहले से STF और चित्रगुप्त नगर थाने की पुलिस मौजूद थी। शख्स जैसे ही स्कूटी से भागने के लिए बैठा, पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

स्कूटी की डिक्की में झोले के अंदर रखे मिले 20 लाखः पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो उसके पास से करीब 20 लाख रुपए नकद बरामद हुए। जिसे वह स्कूटी के डिक्की में झोले के अंदर रखा था। चित्रगुप्त नगर थानेदार शंकर झा ने बताया कि आधार कार्ड के अनुसार पकड़े गए शख्स की पहचान अनमोल कुमार मोदी के रूप में हुई है। वह पूर्वी चंपारण के चकिया वार्ड नंबर-7 का रहने वाला है। 16 जून को रांची के निवारणपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के कार्यालय पर मंगलवार देर रात पेट्रोल बम से हमले की कोशिश की गई थी पुलिस के अनुसार दो अज्ञात युवकों ने सॉस की बोतल में पेट्रोल भरकर उसे कार्यालय परिसर में फेंकने की कोशिश की, लेकिन दोनों बोतलें बाउंड्री के बाहर ही गिर गईं।

बिहार में संविदा डॉक्टरों का बढ़ा मानदेय

एजेंसी, पटना

बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने राज्य के मेडिकल कॉलेजों एवं अस्पतालों में संविदा पर कार्यरत चिकित्सकों एवं चिकित्सा शिक्षकों के मानदेय में वृद्धि को स्वास्थ्य व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। बुधवार को यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि बिहार के लोगों को बेहतर, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों। इसके लिए चिकित्सकों, चिकित्सा शिक्षकों और रेजिडेंट डॉक्टरों को बेहतर कार्यपरिस्थितियां और सम्मानजनक मानदेय उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार ने संविदा पर कार्यरत प्राध्यापक, सह-प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, सीनियर रेजिडेंट, ट्यूटर एवं जूनियर रेजिडेंट के मानदेय में महत्वपूर्ण वृद्धि की है। संशोधित दरों के अनुसार संविदा प्राध्यापक को 2.07 लाख, सह-प्राध्यापक को 1.55 लाख, सहायक प्राध्यापक को 1.25 लाख, सीनियर रेजिडेंट एवं ट्यूटर को 1.15 लाख तथा जूनियर रेजिडेंट

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया स्वास्थ्य व्यवस्था सुदृढ़ करने की दिशा में अहम कदम

को 75 हजार प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। नई दरें 1 सितंबर 2026 से प्रभावी हैं। निशांत कुमार ने कहा कि यह निर्णय केवल मानदेय में वृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य मेडिकल कॉलेजों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाना, प्रतिभाशाली डॉक्टरों को बिहार में बनाए रखना और चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को और बेहतर करना है। उन्होंने कहा कि मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए आवश्यक है कि डॉक्टरों एवं चिकित्सा शिक्षकों के अनुभव, विशेषज्ञता और सेवाभाव का सम्मान किया जाए। एनडीए सरकार इसी सोच के साथ स्वास्थ्य क्षेत्र में लगातार सुधार और विस्तार की दिशा में काम कर रही है।

बख्तियारपुर का नाम बदलकर 'नीतीशपुर' करने की मांग

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार के लघु जल संसाधन मंत्री और हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (से.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार सुमन ने बख्तियारपुर का नाम बदलकर 'नीतीशपुर' करने की मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सामने यह प्रस्ताव रखा है। संतोष सुमन ने कहा, 'बख्तियारपुर सिर्फ एक जगह का नाम नहीं है, बल्कि यह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जन्मभूमि है। नीतीश कुमार ने लंबे समय तक बिहार की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके संघर्ष और राजनीतिक जीवन की कई यादें बख्तियारपुर से जुड़ी हुई हैं।

मंत्री ने आगे कहा, 'नीतीश कुमार ने बिहार के विकास, सुशासन और सामाजिक बदलाव के लिए लंबे समय तक काम किया। ऐसे में उनकी जन्मभूमि को उनके नाम से सम्मानित

करना, उस जगह के इतिहास और लोगों की भावनाओं का सम्मान होगा।' डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा कि इसी भावना के साथ उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सामने बख्तियारपुर का नाम बदलकर 'नीतीशपुर' करने का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा कि जिस धरती ने बिहार को नीतीश कुमार जैसा जननेता दिया है, उसकी पहचान भी उनके नाम से होनी चाहिए। उन्होंने बख्तियारपुर को 'नीतीशपुर' नाम देने की मांग की है। मंत्री के इस प्रस्ताव के सामने आने के बाद बिहार की राजनीति में बख्तियारपुर का नाम बदलने को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है।

पटना में डेंगू से पीड़ित 28 वर्षीय युवक की मौत

एजेंसी, पटना

पटना। राजधानी में डेंगू का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। कंकड़बाग के आरएन सिंह पथ स्थित निजी अस्पताल में 28 वर्षीय मो. खुशियाल की इलाज के दौरान मौत हो गई। वह बुद्ध मार्ग स्थित कमला नेहरू नगर का रहने वाला था। परिजनों के मुताबिक, खुशियाल करीब 20 दिनों से तेज बुखार से पीड़ित था और इलाज के दौरान उसके प्लेटलेट्स लगातार गिर रहे थे। डेंगू संक्रमण से मौत की आशंका जताई जा रही है।

हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। संबंधित अधिकारियों के अनुसार जांच रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का पता चलेगा। यह राजधानी में डेंगू से मौत का दूसरा संदिग्ध मामला बताया जा रहा है। इससे पहले करीब सात दिन पहले कुर्जी निवासी 30 वर्षीय इंद्रदेव की डेंगू संक्रमण से मौत की बात सामने आई थी। मो. खुशियाल की मौत के

बाद कमला नेहरू नगर इलाके के लोगों में नाराजगी देखी गई। स्थानीय लोगों ने नगर निगम की सफाई व्यवस्था और मच्छर नियंत्रण के इंतजामों पर सवाल उठाए हैं।

इलाके में लंबे समय से साफ-सफाई की स्थिति खराबः स्थानीय निवासी शमीना खातून ने आरोप लगाया कि इलाके में लंबे समय से साफ-सफाई की स्थिति खराब है। उन्होंने बताया कि कई बार नगर निगम को सूचना दी गई, लेकिन

◆ कंकड़बाग के निजी अस्पताल में तोड़ा दम, 20 दिन से बुखार था

समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ।

गंदगी और बदबू से जीना मुश्किल - उमेधा खातूनः मुहल्ले की रहने वाली उमेधा खातून ने बताया कि इलाके में गंदगी की वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान स्थिति और खराब हो जाती है। जगह-जगह गंदा पानी और कचरा जमा रहने से मच्छरों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इलाके में नियमित रूप से सफाई कर्मचारी नहीं आते। डेंगू से बचाव के लिए भी स्थानीय स्तर पर पर्याप्त इंतजाम नहीं किए जा रहे हैं। उमेधा ने वार्ड पार्षद की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। उनका आरोप है कि जनप्रतिनिधि आम लोगों की समस्याओं को लेकर गंभीर नहीं हैं और चुनाव के समय ही इलाके में सक्रियता दिखाई देती है।

करीब 15-20 दिन पहले तेज बुखार आया था- मो. असलमः स्थानीय निवासी मो. असलम ने बताया कि पूरे इलाके में गंदगी की समस्या है। उन्होंने कहा कि शौचालय से लेकर गलियों तक कई जगहों पर सफाई की स्थिति खराब है। बदबू और मच्छरों के कारण लोगों का रहना मुश्किल हो रहा है।

पटना में डेंगू के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य विभागीय आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अब तक पटना में डेंगू संक्रमित मरीजों की संख्या 205 के पार पहुंच चुकी है। पिछले 24 घंटे में भी 8 नए मरीजों में डेंगू संक्रमण की पुष्टि हुई है। डेंगू-मलेरिया पदाधिकारी सुभाष प्रसाद के मुताबिक, सितंबर के शुरुआती 8 दिनों में ही 35 मरीजों में डेंगू संक्रमण की पुष्टि हुई है। आंकड़ों में लगातार हो रही बढ़ोतरी ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है।

कला एवं संस्कृति मंत्री ने जिलों के सांस्कृतिक पदाधिकारियों एवं संग्रहालय अध्यक्षों के साथ की समीक्षा बैठक

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार की ओर से बुधवार को कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार की अध्यक्षता में बिहार के सभी जिलों के कला एवं सांस्कृति पदाधिकारियों एवं संग्रहालय अध्यक्षों के साथ विभागीय समीक्षा बैठक की गई। बैठक में माननीय मंत्री ने जिलों में संचालित सांस्कृतिक कार्यक्रमों, कलाकारों के प्रशिक्षण, संग्रहालयों के कार्यों तथा विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बिहार की समृद्ध कला एवं सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जिला स्तर पर गतिविधियों को और सक्रिय एवं व्यवस्थित किया जाए।

समीक्षा के दौरान आम्रपाली प्रशिक्षण केंद्रों की प्रगति पर विस्तृत चर्चा हुई। विभाग द्वारा राज्य के सभी 38 जिलों में आम्रपाली प्रशिक्षण

केंद्रों की स्थापना की योजना के तहत अब तक 36 जिलों में लगभग 3,000 बच्चों को नृत्य, संगीत, वाद्य यंत्र एवं अन्य कला विधाओं का प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना की भी समीक्षा की गई। योजना के तहत अब तक 411 कलाकारों का चयन किया जा चुका है तथा पात्र कलाकारों को 3,000 रुपये प्रतिमाह पेंशन दिए जाने का प्रावधान है। बैठक में ज्ञान भारतम् मिशन के तहत पांडुलिपियों के संरक्षण एवं डिजिटलीकरण की प्रगति पर भी चर्चा हुई। बिहार के सभी 38 जिलों में सर्वेक्षण के दौरान अब तक 8 लाख से अधिक पांडुलिपियों को चिह्नित किया जा चुका है।

मंत्री ने संग्रहालयों में उपलब्ध ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण, बेहतर प्रबंधन तथा आम लोगों के लिए उन्हें अधिक उपयोगी और आकर्षक बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों को विभागीय योजनाओं का समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा में सक्रिय सहयोग एवं सौंपे गए दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करने वाले सभी जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारियों को मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मंत्री ने उनके समर्पण, सक्रिय सहभागिता एवं जिम्मेदारियों के कुशलतापूर्वक निर्वहन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास विभागीय कार्यक्रमों को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

16 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट, 13 जिलों के 34 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित

एजेंसी, पटना

बिहार में मानसून सक्रिय है। सुपौल में सुबह से धूप निकली थी, लेकिन शाम में अचानक मौसम का मिजाज बदला और तेज बारिश शुरू हो गई। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज यानी बुधवार को 16 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसमें 5 जिलों में भारी बारिश की संभावना है। 11 जिलों में यलो अलर्ट हैं। इस जिलों में 30kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है। कुछ जगहों पर हल्की बारिश हो सकती है। बिजली भी गिरने की आशंका है। IMD के मुताबिक, 10 सितंबर तक मौसम बदला रहेगा। इस दौरान कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। अररिया में आकाशीय बिजली से 3 लोगों की मौत हो गई है।

इधर, बिहार में 13 जिलों में 34 लाख लोग बाढ़ से घिरे हुए हैं। दूसरे राज्यों में हो रही बारिश से बिहार की 9 से ज्यादा नदियां उफान पर हैं।

पटना में पुनपुन नदी का जलस्तर 24 घंटे में 9 सेमी बढ़ा है। श्रीपालपुर में पानी खतरे के निशान से 2.95 मीटर ऊपर है। दरधा और महतमाईन नदी भी उफान पर है। भोजपुर में बाढ़ के पानी में डूबने से 4 लोगों की मौत हुई है। सरकार बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत शिविर और मदद पहुंचाने की मुकम्मल व्यवस्था करने का दावा कर रही है पर जमीनी हकीकत काफी अलग है। इन राहत शिविरों में दोनों वक्त दाल-भात-सब्जी तो मिल रही है, मगर बच्चों के लिए दूध, महिलाओं के लिए सैनिटरी पैड और चेंजिंग रूम और मवेशियों के चारे का भारी संकट है। कई जिलों में राहत रसोई केवल कागजों तक ही सीमित है।

बिहार के हित में फरक्का जल संधि पर पुनर्विचार जरूरीः संजय कुमार झा

एजेंसी, पटना

बिहार के खगड़िया जिले में जदयू के फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद कार्यक्रम का भव्य आयोजन बुधवार को किया गया। मौके पर खगड़िया के बछौता रोड स्थित शारदा फार्म हाउस में आयोजित भव्य कार्यक्रम में विधायक पन्ना लाल पटेल, विधायक बबलू मंडल, विधायक रामचन्द्र सदा, जिलाध्यक्ष अनुराधा कुमारी, प्रदेश महासचिव सह कार्यक्रम प्रभारी शंभू कुशवाहा, प्रदेश महासचिव सुनील कुमार, प्रदेश महासचिव सुमित कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और हजारों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान इस विषय पर पार्टी द्वारा तैयार की गई डॉक्यूमेंट्री फिल्म खास तौर से दिखाई गई। साथ ही विस्तृत जानकारी वाला पम्फलेट भी बांटा गया। अपने संबोधन में राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने कहा कि 1996 में भारत और बांग्लादेश के बीच हुई यह संधि भारत के, खासकर बिहार के हित में नहीं है, इसलिए इसका नवीनीकरण नहीं होना चाहिए और अगर कोई संधि होती भी है तो बिहार की वर्ष 2050 तक की जल आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए। इस जल संधि के कारण बिहार का जल-प्रबंधन बुरी तरह बिगड़ा है और हम गंभीर जल-संकट का सामना कर रहे हैं। बिहार के हित में इस पर पुनर्विचार जरूरी है। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष कहा कि फरक्का (गंगा) जल संधि के मुताबिक शुष्क मौसम (1 जनवरी से 31 मई) में जब बक्सर के पास गंगा का प्रवाह महज 400 क्यूमेक (लगभग 14 हजार क्यूसेक) तक रह जाता है, तब भी फरक्का से

बांग्लादेश के लिए 1500 क्यूमेक (लगभग 53 हजार क्यूसेक) पानी छोड़ना पड़ता है, इसका मतलब यह है कि सिर्फ गंगा ही नहीं, बल्कि बिहार की आंतरिक नदियों से भी पानी खींचकर बांग्लादेश को दिया जा रहा है। यह सीधे तौर पर बिहार की हकमारी है।

उन्होंने कहा कि बिहार और केन्द्र की तत्कालीन सरकार में बैठे लोगों ने बिहार के हितों की बलि चढ़ा दी। उन लोगों ने यह नहीं सोचा कि ऐसा करके वे बिहार के किसानों की सिंचाई, लोगों का पेयजल, उद्योगों की पानी की जरूरत, लाखों लोगों की आजीविका और राज्य के युवाओं का भविष्य दांव पर लगा रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि हमारे सर्वमान्य नेता और राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार शुरू से कहते रहे हैं कि फरक्का बराज और फरक्का जल संधि से बिहार को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। एक ओर फरक्का बराज के कारण गंगा में भारी गाद जमा हो जाने से नदी का तल ऊँचा हो गया है, जिसके कारण उत्तर बिहार को हर साल बाढ़ का सामना करना पड़ता है, तो दूसरी ओर फरक्का जल संधि के कारण शुष्क मौसम में हमें बिहार के हिस्से का पानी बांग्लादेश को देना पड़ता है और हमारे कई जिलों में सूखे तक की स्थिति हो जाती है।

उन्होंने कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय संधि का 73 प्रतिशत बोझ अकेले बिहार उठा रहा है और 30 वर्षों से एक साथ बाढ़ और सूखे का दंश झेल रहा है। यह हमारे साथ ज्यादती है, जिसे हम इस अभियान के माध्यम से बताना चाहते हैं। उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि मैं राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा को धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने बड़ी मुखरता से इस विषय को उठाया। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रयासों से आज यह मुद्दा राष्ट्रीय विमर्श का विषय बन चुका है। उल्लेनीय है कि कार्यक्रम के तहत पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा एवं प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा का गंगा किनारे बसे बिहार के 12 जिलों - बक्सर, भोजपुर, सारण, पटना, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, लखीसराय, मुंगेर, खगड़िया, भागलपुर और कटिहार में संवाद होना है, जो इस संधि के कारण सबसे अधिक प्रभावित हैं। इस जन-जागरुकता अभियान का शुभारंभ 5 सितंबर को बक्सर से हुआ, जबकि समापन कटिहार में होगा, क्योंकि बिहार में गंगा बक्सर से प्रवेश करती है और कटिहार से निकलती है।

संक्षिप्त समाचार

थोक विक्रेताओं पर महंगे दाम पर खाद देने का आरोप, खुदरा विक्रेताओं ने जांच की उठाई मांग

बीएनएम@ मोतिहारी/हरसिद्धि। प्रखंड के खुदरा उर्वरक विक्रेता संघ ने थोक विक्रेताओं पर निर्धारित सरकारी दर से अधिक कीमत पर यूरिया व डीएपी उपलब्ध कराने तथा अतिरिक्त सामग्री लेने के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया है। इस संबंध में संघ ने प्रखंड कृषि पदाधिकारी को आवेदन देकर मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है। संघ के अनुसार, सरकार ने यूरिया का अधिकतम खुदरा मूल्य 266.50 रुपये प्रति बोरी और डीएपी का 1,350 रुपये प्रति बोरी निर्धारित किया है। खुदरा विक्रेताओं को इसी दर पर किसानों को खाद उपलब्ध कराना होता है। आरोप है कि मोतिहारी रेक प्वाइंट से थोक विक्रेता यूरिया करीब 280 से 300 रुपये तथा डीएपी 1,600 से 1,800 रुपये प्रति बोरी की दर से उपलब्ध करा रहे हैं। इसके अलावा मोतिहारी से हरसिद्धि तक परिवहन व मजदूरी में करीब 30 रुपये प्रति बोरी अतिरिक्त खर्च आता है। विक्रेताओं ने यह भी आरोप लगाया है कि थोक स्तर पर प्रति बोरी करीब एक किलो टैगिंग सामग्री लेने का दबाव बनाया जाता है। इसकी कीमत करीब 100 रुपये प्रति किलो बताई गई है। सामग्री लेने से इनकार करने पर खाद की आपूर्ति रोकने की शिकायत भी संघ ने की है।

डिजिटल व्यवस्था लागू करने की मांग- संघ ने उर्वरक बिक्री में पारदर्शिता के लिए रजिस्टर व्यवस्था समाप्त कर पूरी बिक्री प्रक्रिया डिजिटल करने की मांग की है। थोक विक्रेताओं से क्यूआर कोड के माध्यम से डिजिटल बुकिंग कर खुदरा विक्रेताओं को खाद उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया है। साथ ही खुदरा विक्रेताओं को सरकारी कार्यकारी दर पर 8 प्रतिशत मार्जिन के साथ उर्वरक उपलब्ध कराने की मांग रखी गई है।

खुदरा विक्रेताओं ने रेक प्वाइंट से लेकर दुकानों तक उर्वरक की वास्तविक आपूर्ति दर की जांच, अतिरिक्त राशि वसूली और टैगिंग सामग्री लेने के दबाव की जांच कराने की मांग की है। संघ ने कहा है कि थोक स्तर की कथित अनियमितता के कारण खुदरा विक्रेताओं को आर्थिक नुकसान हो रहा है और किसानों को भी निर्धारित दर पर खाद उपलब्ध कराने में परेशानी हो रही है।

एसएसबी के सेवानिवृत्त कर्मियों की पेंशन संबंधी समस्याओं की होगी सुनवाई

» 11 सितंबर को पिपराकोठी स्थित 71वीं वाहिनी परिसर में लगेगा शिकायत निवारण शिविर

बीएनएम@ मोतिहारी। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के सेवानिवृत्त कर्मियों एवं उनके आश्रितों की पेंशन संबंधी समस्याओं, शिकायतों और सुझावों के त्वरित समाधान के लिए 71वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, मोतिहारी की ओर से कल शुक्रवार 11 सितंबर 2026 को सुबह 11 बजे से पिपराकोठी स्थित एसएसबी वाहिनी कैंप परिसर में विशेष बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में सेवानिवृत्त कार्मिक एवं उनके आश्रित अपनी पेंशन, पेंशन भुगतान, पेंशन से संबंधित दस्तावेज तथा अन्य पेंशन संबंधी मामलों से जुड़ी समस्याओं और शिकायतों को सीधे संबंधित अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे। इसके साथ ही वे अपने सुझाव भी अधिकारियों के साथ साझा कर सकेंगे। वाहिनी की ओर से बताया गया कि बैठक के दौरान प्राप्त शिकायतों एवं सुझावों को गंभीरता से लेते हुए उनके त्वरित निराकरण के लिए संबंधित स्तर पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इसका उद्देश्य सेवानिवृत्त कर्मियों को पेंशन संबंधी मामलों में आवश्यक सहायता, मार्गदर्शन और राहत उपलब्ध कराना है। वहीं 71वीं वाहिनी एसएसबी, मोतिहारी के कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार ने कहा कि सेवानिवृत्त कार्मिक बल की महत्वपूर्ण धरोहर हैं। उनकी समस्याओं का समाधान करना तथा उन्हें हरसंभव सहायता एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराना वाहिनी की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों एवं उनके आश्रितों से अपील की कि वे निर्धारित तिथि और समय पर पिपराकोठी स्थित वाहिनी कैंप परिसर में उपस्थित होकर अपनी समस्याएं, शिकायतें एवं सुझाव साझा करें, ताकि उनका उचित एवं त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।

झरौखर थाना भवन की चारदीवारी की हुई मापी,पुलिस द्वारा मीडिया को रखा गया दूर

सिकरहना एसडीओ ने कहां ऐसा कोई आदेश नही

बीएनएम@ घोड़ासहन। नवनिर्मित झरौखर थाना भवन की जमीन को लेकर चल रहे विवाद के बीच मापी का कार्य कराया गया। सिकरहना एसडीओ विजय कुमार के नेतृत्व में विवादित जमीन एवं चारदीवारी की मापी कराई गई। मापी के दौरान बिहार पुलिस भवन निर्माण विभाग के कर्मी भी मौजूद रहे। 2022 में सरकार के नाम करीब 61 डिसमिल जमीन खरीदी गई थी। बाद में भवन निर्माण के दौरान निर्धारित जमीन के अलावा कुछ रैयत के जमीन को भी नवनिर्मित चारदीवारी के अंदर शामिल कर लिया गया। इसको लेकर जमीन के स्वामित्व एवं चारदीवारी निर्माण पर विवाद उत्पन्न हुआ था। मामले में हाईकोर्ट ने भवन निर्माण विभाग को मापी का निर्देश दिया था। वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने के लिए अंचल प्रशासन द्वारा मापी कराई गई। घोड़ासहन एवं बनकटवा से अंचल अमीन प्रतिनियुक्त किया गया था। अंचलाधिकारी अतुल कुमार बादल ने बताया कि नवनिर्मित थाना भवन की चारदीवारी खेसरा संख्या 337 एवं 340 जमीन से सम्बंधित मापी हुई है। दुसरीं ओर मापी के दौरान थाना में सभी के लिए प्रवेश वर्जित कर दिया था। मीडियाकर्मियों को भी मापी से दूर रखा गया। थाना के बाहर गेट पर गॉर्ड द्वारा सभी को रोका जा रहा था। जो कई सवालों को खड़ा कर रखा है। सिकरहना एसडीओ विजय कुमार ने बताया कि भवन निर्माण विभाग के आवेदन पर मापी का कार्य करवाया गया। 61 डिसमिल एवं 19 डिसमिल जमीन थाना भवन का है। शेष जमीन रैयती का है। मापी की रिपोट सम्बंधित विभाग को भेजी जा रही है। वही मीडियाकर्मियों को बाहर रखने के संबंध में बताया कि ऐसा कोई सूचना अनुमंडल या अंचल प्रसाशन की ओर से जारी नही किया था। थाना द्वारा कैसे रोका गया वही बता सकते है।

वायरल वीडियो ने खोली पुलिस अधिकारी की पोल, बलथर थाने के दारोगा शमशाद अहमद निलंबित

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद एसडीपीओ ने की जांच, संदिग्ध आचरण मिलने पर एसपी ने की कार्रवाई

बीएनएम@ बेतिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हुए वीडियो ने बलथर थाना के पुलिस अवर निरीक्षक शमशाद अहमद को मुश्किल में डाल दिया है। वायरल वीडियो के आधार पर कराई गई जांच में उनका आचरण संदिग्ध पाए जाने के बाद पुलिस अधीक्षक, पश्चिम चम्पारण ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। बेतिया पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पुलिस अधिकारी शमशाद अहमद से संबंधित एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हुआ था। वीडियो पुलिस के संज्ञान में आने के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, नरकटियागंज से पूरे मामले की जांच कराई गई। एसडीपीओ नरकटियागंज ने जांच के बाद पुलिस अधीक्षक को अपनी रिपोर्ट सौंपी। जांच प्रतिवेदन में पुलिस अवर निरीक्षक शमशाद अहमद का आचरण संदिग्ध पाया गया। रिपोर्ट के आधार पर एसपी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित कर दिया। पुलिस के अनुसार, निलंबन के साथ ही शमशाद अहमद से विभागीय कार्रवाई के लिए अलग से स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है। स्पष्टीकरण और विभागीय जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। बेतिया पुलिस ने स्पष्ट किया है कि पुलिसकर्मियों के आचरण और कार्यशैली को लेकर किसी भी प्रकार की शिकायत अथवा तथ्य सामने आने पर नियमानुसार जांच कर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कहा है कि वह लोक व्यवस्था के संधारण और अपने कर्तव्यों के निर्वहन में सर्वोत्कृष्ट स्तर बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

हिंदी के व्यापक विस्तार और सांस्कृतिक चेतना के लिए भारतेंदु के विचार आज भी प्रासंगिक : वक्ता

एलएनडी कॉलेज में 'हिंदी प्रदेश के वर्तमान सांस्कृतिक परिदृश्य और भारतेंदु हरिश्चंद्र' विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

बीएनएम@ मोतिहारी

नगर के लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय (एलएनडी कॉलेज) के हिंदी विभाग के तत्वावधान में 'हिंदी प्रदेश के वर्तमान सांस्कृतिक परिदृश्य और भारतेंदु हरिश्चंद्र' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में विद्वानों ने भारतेंदु हरिश्चंद्र के साहित्यिक अवदान, सामाजिक दृष्टि, सांस्कृतिक चेतना तथा समकालीन हिंदी समाज में उनकी प्रासंगिकता पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. (डॉ.) रवींद्र कुमार रवि, बीआरए बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के हिंदी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) सतीश कुमार राय, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) मृगेंद्र कुमार, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी श्रीवास्तव, केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. श्यामनंदन श्रीवास्तव तथा डॉ. गोविंद वर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) मृगेंद्र कुमार ने अंगवस्त्र एवं पौधा भेंटकर अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए मंचासीन अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का महाविद्यालय परिवार की ओर से अभिनंदन किया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए पूर्व कुलपति प्रो. (डॉ.) रवींद्र कुमार रवि ने अपनी स्वरचित भोजपुरी रचना के माध्यम से समकालीन राजनीतिक परिदृश्य पर व्यंग्य प्रस्तुत किया। वहीं प्रो. (डॉ.) सतीश कुमार राय ने भारतेंदु हरिश्चंद्र के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतेंदु ने अल्पायु में ही हिंदी साहित्य को समृद्ध करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उन्होंने भारतेंदु के विभिन्न नाटकों की प्रासंगिकता रेखांकित करते हुए कहा कि भारतेंदु ने अपने समकालीन साहित्यकारों को प्रोत्साहित और सहयोग प्रदान कर हिंदी साहित्य की व्यापक आधारभूमि तैयार की। मुंशी सिंह महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार ने कहा कि हिंदी साहित्य के विकास और संवर्धन के लिए भारतेंदु ने अपनी संपत्ति तक खर्च कर दी। जीवन के अंतिम चरण में उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, बावजूद इसके साहित्य और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता कमजोर नहीं हुई। डॉ. अंजनी श्रीवास्तव ने भारतेंदु के रचनाक्रम के विविध पक्षों पर प्रकाश डालते हुए उनके साहित्यिक व्यक्तित्व की विशिष्टताओं को रेखांकित किया। डॉ. श्यामनंदन श्रीवास्तव ने भारतेंदु को 'युगदृष्टा' बताते हुए कहा कि उन्होंने लगभग दो शताब्दी पूर्व ही स्वावलंबन और स्वदेशी की भावना को जनमानस के बीच स्थापित करने का प्रयास किया था। उनके विचार आज भी आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक स्वाभिमान के संदर्भ में प्रासंगिक हैं। महिला महाविद्यालय के हिंदी विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. रौशनी विश्वकर्मा ने भारतेंदु युगीन काव्य-प्रवृत्तियों पर विस्तार से चर्चा की। वहीं मुंशी सिंह महाविद्यालय के हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अवनीश मिश्रा ने कहा कि भारतेंदु आम जनमानस की बोलचाल की भाषा को साहित्य में प्रतिष्ठित करने के पक्षधर थे। उनका उद्देश्य हिंदी साहित्य को जनसामान्य से जोड़ते हुए उसके व्यापक प्रसार का मार्ग प्रशस्त करना था। केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. गोविंद वर्मा ने कहा कि वर्तमान तकनीकी युग में हिंदी के व्यापक विस्तार की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। यदि हिंदी को तकनीक, शिक्षा और संचार के नए माध्यमों से प्रभावी ढंग से नहीं जोड़ा गया, तो आने वाले समय में इसके समक्ष गंभीर चुनौतियां उत्पन्न हो सकती हैं। क्षितिज साहित्यिक संस्था के वरीय साहित्यकार डॉ. विनय सिंह ने भारतेंदु की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए संस्कृति पर शहरीकरण एवं आधुनिकता के बढ़ते प्रभाव की विस्तृत व्याख्या की। उन्होंने बदलते सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश में भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण और पुनर्पाठ की आवश्यकता पर बल दिया। अध्यक्षीय संबोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) मृगेंद्र कुमार ने कहा कि भारतेंदु हरिश्चंद्र सदैव समाज के विभिन्न धर्मों और जातियों के लोगों को परस्पर एकजुट होकर रहने के लिए प्रेरित करते रहे। उनका मानना था कि जब तक समाज और परिवार के भीतर एकता कायम नहीं होगी, तब तक बाहरी चुनौतियों का मजबूती से सामना नहीं किया जा सकता। भारतेंदु की यह समावेशी दृष्टि आज के सामाजिक परिदृश्य में भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम का संचालन एलएनडी महाविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. रविरंजन सिंह ने किया, जबकि आगत अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक सह मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने किया। संगोष्ठी में सहायक प्राध्यापक डॉ. मनोहर श्रीवास्तव, डॉ. गौरव भारती, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. संतोष बिश्नोई, डॉ. कस्तूरी शिवम सौंदर्यम, डॉ. दुर्वादल भट्टाचार्य, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. ज्योत्सना कुमारी, शोधार्थी राजेश कुमार सहित हिंदी विभाग के सैकड़ों विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भजन क्लबिंग में देर रात तक झूमे श्रद्धालु, भक्ति के साथ दिखा आधुनिक संगीत का रंग

बीएनएम@ मोतिहारी

सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक मूल्यों और नई पीढ़ी के बीच जुड़ाव को मजबूत करने के उद्देश्य से द धर्म प्रोजेक्ट की ओर से एपी पैलेस में भजन क्लबिंग का आयोजन किया गया। इसमें भक्ति संगीत और आधुनिक संगीत प्रस्तुति का अनूठा संगम देखने को मिला। देर रात तक श्रद्धालु भजनों पर झूमते रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ महंत रविशंकर गिरी, विधायक प्रमोद कुमार और श्री श्री 1008 बाबा भैरव दास, महंत तारापीठ, पश्चिम बंगाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और युवाओं ने भाग लिया। द धर्म प्रोजेक्ट के संस्थापक चंपारण के लाल अनूप दत्ता ने कहा कि परंपरा को बदलने की जरूरत नहीं है, लेकिन उसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के माध्यम समय के साथ विकसित किए जा सकते हैं। इसी सोच के साथ भजन क्लबिंग की परिकल्पना की गई है। इसमें भक्ति की मूल भावना को बरकरार रखते हुए आधुनिक साउंड, संगीत और सामूहिक सहभागिता के जरिए युवाओं को संस्कृति से जोड़ने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम के फाउंडर एवं मैनेजिंग डायरेक्टर सुब्रत गौतम और इवेंट मैनेजर अनुपम सुधांशु ने बताया कि भजन क्लबिंग से पहले एक से सात तारीख तक इसी स्थल पर वृंदावन के आचार्य अर्जुन कृष्ण त्रिपाठी के द्वारा श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया। कथा में प्रतिदिन श्रद्धालुओं के बीच महा भंडारे का प्रसाद वितरित किया गया। भजन क्लबिंग में बांसुरी वादन के साथ अमन कुमार, अनुप्रिया, बादल कुमार समेत अन्य कलाकारों ने प्रस्तुति दी। कलाकारों की प्रस्तुति से कार्यक्रम स्थल भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। आयोजन में इवेंट कोऑर्डिनेटर बीरेंद्र कुमार, सुधांशु सौरव, रोहन श्रीवास्तव और पंकज कुमार की भी प्रमुख भूमिका रही। द धर्म प्रोजेक्ट की ओर से बताया गया कि संस्था का उद्देश्य धार्मिक आयोजनों को केवल दर्शक आधारित कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखना है। इसके माध्यम से सामुदायिक सहभागिता, युवा जुड़ाव, सांस्कृतिक अनुभव और सेवा को बढ़ावा देने की दिशा में काम किया जा रहा है। भविष्य में इस तरह के आयोजनों को अन्य शहरों तक विस्तार देने की योजना है।

गरीब विधवा को पेंशन, जमीन दिलाने का डीएम ने दिया निर्देश

» जनसुनवाई में 14 आवेदन, अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई का निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने बुधवार को कार्यालय कक्ष में जनसुनवाई के दौरान गरीब विधवा महिला रेखा देवी की समस्या सुनकर उसे सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना से जोड़ने का निर्देश दिया। महिला ने डीएम को बताया कि उसके पास न घर है और न जमीन। वह जमीन उपलब्ध कराने के लिए आवेदन लेकर पहुंची थी। समस्या सुनने के दौरान डीएम ने महिला से पूछा कि उसे सामाजिक सुरक्षा पेंशन मिलती है या नहीं। रेखा देवी ने पेंशन नहीं मिलने की बात बताई। इस पर जिलाधिकारी ने अपने ओएसडी को फोन कर महिला को सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा कोषांग के पास भेजा और उसका नाम सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में जोड़ने का निर्देश दिया। डीएम ने अंचल अधिकारी, सदर मोतिहारी को रेखा देवी के आवेदन को अग्रसारित करते हुए अभियान बसेरा के तहत जमीन उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया। उन्होंने इस संबंध में सीओ से मोबाइल पर बात कर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। कल्याणपुर अंचल की विमला देवी ने दाखिल-खारिज से संबंधित शिकायत की। उन्होंने आरोप लगाया कि सीओ द्वारा उन्हें परेशान किया जा रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान ही कल्याणपुर सीओ से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बात की। आवेदन को व्हाट्सऐप के माध्यम से भेजते हुए नियमानुकूल कार्रवाई का निर्देश दिया। पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र के अजगरवा गांव निवासी संतोष सिंह ने जमाबंदी सुधार को लेकर आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि ग्राम कचहरी के माध्यम से आपसी सहमति से बंटवारा हो चुका है और खाता-खेसरा भी अलग हो चुका है, लेकिन जमाबंदी अभी एक ही है। डीएम ने अंचल अधिकारी, पकड़ीदयाल से बात कर मामले में नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई करने का निर्देश दिया। पताही अंचल के परसौनी कपूर निवासी रामाधार साहनी ने शिकायत की कि डाक से प्राप्त सरकारी पोखर में मछली मारने से एक दबंग व्यक्ति उन्हें रोक रहा है और मारपीट की धमकी दे रहा है। उन्होंने बताया कि इस मामले को लेकर वह अंचलाधिकारी से भी मिल चुके हैं। डीएम ने आवेदन को उप विकास आयुक्त, पूर्वी चंपारण के पास भेजते हुए मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सभी आवेदकों से बारी-बारी से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश देते हुए समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया।

लापता लड़की की तलाश में होटल पहुंची पुलिस, संदिग्ध गतिविधियां मिलीं; चार नाबालिग रेस्क्यू

बीएनएम@ मोतिहारी

हरसिद्धि थाना क्षेत्र से गायब एक लड़की की तलाश में पहुंची पुलिस को मोतिहारी शहर के बैंक रोड स्थित विद्या राज होटल में संदिग्ध गतिविधियां मिलीं। इसके बाद छतौनी और महिला थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने होटल में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने चार नाबालिग लड़कियों को रेस्क्यू किया, जबकि होटल संचालक समेत चार युवकों को गिरफ्तार किया गया।

बताया जाता है कि हरसिद्धि थाना में दर्ज मामले में गायब लड़की की तलाश के क्रम में एसआई शिखा कुमारी होटल पहुंची थीं। पुलिस के अनुसार, होटल में संदिग्ध गतिविधियां मिलने के बाद इसकी सूचना वरीय अधिकारियों को दी गई। इसके बाद सदर डीएसपी दिलीप कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने होटल में छापेमारी की।

छापेमारी में होटल संचालक बताए जा रहे छतौनी निवासी राजीव कुमार के अलावा रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर गदरिया निवासी योगेंद्र राय के पुत्र रौशन कुमार, पीपराकोठी थाना क्षेत्र के किशुनपुर निवासी मुकेश कुमार के पुत्र नीरज कुमार और लक्ष्मीपुर मधुमलती निवासी शेख तसबूर के पुत्र शेख इंतेखाब को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने मौके से रेस्क्यू की गई चारों नाबालिगों को सुरक्षित महिला थाना पहुंचाया। चाइल्ड वेलफेयर कमेटी को इसकी सूचना दी गई है। नियमानुसार नाबालिगों की काउंसलिंग और मेडिकल जांच की प्रक्रिया कराई जा रही है।

बिना आईडी कमरा देने की भी जांच- सदर डीएसपी दिलीप कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। पुलिस होटल के दस्तावेज और रजिस्टर की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में बिना आईडी के कमरा उपलब्ध कराने की बात सामने आई है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार चारों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। होटल में देह व्यापार की सूचना की भी जांच की जा रही है।

शहर के सभी होटलों की होगी जांच : एसडीओ- सदर एसडीओ अरुण कुमार पाण्डेय ने घटना को गंभीरता से लेते हुए कहा कि शहर के सभी होटलों की जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि होटल संचालकों को नियमों का पालन करना होगा और संदिग्ध गतिविधियों पर प्रशासन की नजर रहेगी।

एसडीओ ने आम लोगों से भी अपील की कि यदि किसी होटल में इस तरह की संदिग्ध या अवैध गतिविधियों की जानकारी मिलती है तो इसकी सूचना तत्काल प्रशासन या पुलिस को दें। सूचना देने वाले लोगों की जानकारी को गोपनीय रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि शहर में अवैध गतिविधियों को किसी भी स्थिति में पनपने नहीं दिया जाएगा।

छापेमारी टीम में छतौनी थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह, महिला थानाध्यक्ष मोना कुमारी, इंस्पेक्टर सर्वेंद्र कुमार, महिला हेल्पलाइन की खुशबू कुमारी, अभिषेक कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

1350 किलो यूरिया खाद जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी

भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने 1350 किलो यूरिया खाद जब्त की है। कार्रवाई के दौरान एक युवक को गिरफ्तार किया गया, जबकि तीन अन्य तस्कर मौके से फरार हो गए। एसएसबी के अनुसार, 9 सितंबर को कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के निर्देशन में सीमा चौकी बड़हरवा की गश्ती टीम आसूचना के आधार पर सीमा क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर यूरिया खाद लेकर जाता मिला। जवानों ने उसे पकड़ लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान राधेश्याम कुमार (26) निवासी छौड़ादानो, पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। इसी बीच पीछे से आ रहे तीन साइकिल सवार एसएसबी जवानों को देखकर यूरिया खाद छोड़कर नेपाल की ओर भाग निकले। गश्ती दल ने आसपास के इलाके में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान 30 बोरी यूरिया खाद, कुल 1350 किलो, एक बजाज प्लेटिना मोटरसाइकिल और तीन साइकिलें बरामद की गईं। एसएसबी ने जब्त सामान को अग्रेतर कार्रवाई के लिए सीमा शुल्क कार्यालय, मोतिहारी को सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

डीएम ने कटाव स्थल का किया निरीक्षण

बीएनएम@ बगहाः पश्चिमी चंपारण के जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने बुधवार को बगहा अनुमंडल के मधुबनी प्रखंड अंतर्गत रेवहिया गांव पहुंचकर गंडक नदी के कटाव का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जल संसाधन विभाग से अब तक किए गए बचाव कार्यों की जानकारी ली।ग्रामीणों और मुखिया विजय यादव ने बताया कि तेज धारा से टी स्पर और बंबू रोल बह जा रहे हैं, और प्रभावी रोकथाम के लिए 'हाथी पांव' का कार्य कराना आवश्यक है। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर हाल में कटाव रोककर गांवों और घरों को बचाया जाए।कटाव पीड़ितों ने डीएम से मिलकर अपनी समस्याएं रखीं और नैनाहा ढाला के पास भूमि उपलब्ध कराकर विस्थापित करने की मांग की। इस पर डीएम ने एसडीएम और सीओ को जल्द उपयुक्त भूमि चिन्हित कर पुनर्वास की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान बीडीओ कुंदन कुमार, जल संसाधन विभाग के अधिकारी और ग्रामीण मौजूद रहे।

गीतांजलि कुमारी को मिला प्रभारी बीईओ का प्रभार

बीएनएम@ योगापट्टीः योगापट्टी प्रखंड के बीआरसी सभागार में बुधवार को आयोजित एक कार्यक्रम में प्रखंड आपूर्ति निरीक्षक गीतांजलि कुमारी को योगापट्टी के प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार के निर्देश पर उन्हें यह जिम्मेदारी मिली है।प्रभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने विद्यालयों की समस्याओं के समाधान, सरकारी निर्देशों के पालन और शिक्षा व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने पर जोर देने की बात कही। इस नियुक्ति से शिक्षकों और स्थानीय लोगों में उत्साह है, और सभी ने उन्हें फूल-माला पहनाकर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में चंद्रभूषण सिंह, राहुल कुमार, अजय कुमार यादव सहित कई शिक्षक और कर्मी मौजूद रहे।

भूमिहीनों को 5 डिसमिल आवासीय जमीन देने की मांग

बीएनएम@ बेतियाः योगापट्टी। बिहार प्रांतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन के आह्वान पर बुधवार को योगापट्टी अंचल कार्यालय परिसर में खेत एवं ग्रामीण मजदूरों ने विशाल प्रदर्शन व धरना दिया। सभा को संबोधित करते हुए बिहार राज्य किसान सभा के उपाध्यक्ष प्रभुराज नारायण राव ने कहा कि केंद्र सरकार किसान-मजदूर विरोधी नीतियां अपना रही है। उन्होंने भूमिहीन परिवारों को पांच डिसमिल आवासीय जमीन देने की मांग उठाई। खेत एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन के जिला सचिव प्रभुनाथ गुप्ता ने कहा कि मनरेगा के स्थान पर वीबी ग्रामजी कानून लागू कर मजदूरों को काम से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने बीज विधेयक, बिजली विधेयक और स्मार्ट मीटर का भी विरोध किया। किसान सभा के राज्य कार्यकारिणी सदस्य चांदसी प्रसाद यादव ने रोजगार के अभाव में युवाओं के पलायन का मुद्दा उठाया। सीटू बिहार के सचिव शंकर कुमार राव ने महंगाई पर रोक लगाने तथा गन्ने का दाम 650 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग की। उन्होंने चार लेबर कोड वापस लेने की मांग भी की। मौके पर मनोज कुशवाहा, सुगम पाण्डेय, शिवनाथ प्रसाद कुशवाहा, नथुनी शर्मा, पारस बैठा, रामायण शर्मा व बिगु नट समेत कई लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में पत्रकारों की अहम भूमिकाः डिस्ट्रिक्ट जज

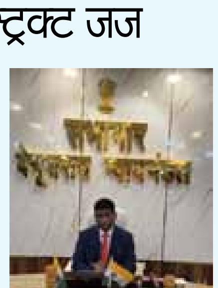

बीएनएम@ बेगूसराय। बेगूसराय व्यवहार न्यायालय स्थित मीटिंग हॉल में बुधवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार ऋषिकांत ने आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की और मीडिया से अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने की अपील की। आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली इस राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए कुल 20 बेंचों का गठन किया गया है, जिसमें 15 बेंच बेगूसराय मुख्यालय में, 4 अनुमंडल न्यायालयों (बखरी, मंझौल, तेघड़ा और बलिया) में, 1 बरौनी रेलवे न्यायालय में तथा ट्रैफिक चालान मामलों के लिए 3 विशेष बेंच दिनकर भवन में बनाई गई हैं। प्राधिकार द्वारा 1 सितंबर से ही एडीआर भवन में प्री-सिटिंग शुरू कर दी गई है, जहां आपराधिक, दीवानी, पारिवारिक विवाद, बैंक ऋण, बिजली-पानी, श्रम विवाद और दुर्घटना बीमा क्लेम जैसे सुलहनीय मामलों का समझौते के आधार पर निपटारा किया जाएगा।

बाइक सवार जख्मी

बीएनएम@ बगहाः बगहा पुलिस जिला के धनहा थाना क्षेत्र अंतर्गत धनहा-गौतम बुद्ध सेतु पर मंगलवार देर रात करीब 11 बजे अज्ञात वाहन की ठोकर से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में रामनगर थाना क्षेत्र के शेरवा देवराज गांव निवासी 35 वर्षीय वसीम अख्तर का एक पैर टूट गया और वह सड़क पर पड़े रहे।सूचना मिलने पर 112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल को एंबुलेंस से मधुबनी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। पीएचसी प्रभारी आनंद कुमार ने बताया कि प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेतिया जीएमसीएच रेफर कर दिया गया है। पुलिस अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश में जुटी है।

नवविवाहिता की संदिग्ध मौत मामले में पति समेत तीन गिरफ्तार

दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप

बीएनएम@ बेतियाः बैरिया थाना क्षेत्र के बगही रतनपुर पंचायत के वार्ड नंबर-19 में मंगलवार सुबह नवविवाहिता पुनीता देवी (25) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने मृतका के पति रंजन साह और उसकी दो ननदों समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।मृतका के पिता, पूर्वी चंपारण जिले के मलाही मिश्रौलिया निवासी बलिराम साह के आवेदन पर चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। आवेदन के अनुसार, पुनीता की शादी 16 अप्रैल 2026 को रंजन साह से हुई थी। कुछ महीने बाद ससुराल पक्ष के लोगों ने पर दहेज में पांच लाख रुपये की मांग करने, शारीरिक-मानसिक प्रताड़ना देने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है।सूचना मिलने पर बैरिया पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अन्य फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है और मामले की गहनता से जांच में जुटी है।

गयाः पितृपक्ष मेला 2026 की प्रशासनिक तैयारियां तेज, डीएम ने दिए सड़कों की मरम्मत के कड़े निर्देश

समय सीमा के भीतर पूरी हो सभी प्रशासनिक तैयारियां :डीएम

गया में प्रवेश मार्गों और सर्विस लेन की मरम्मत का कार्य तेज

» 10 दिनों के अन्दर सभी मार्ग दुरुस्त करने का दिया गया निर्देश

बीएनएम@ गयाजी

विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला 2026 की तैयारियों को लेकर गया जिला प्रशासन ने सड़कों की व्यवस्था को दुरुस्त करने का काम युद्धस्तर पर तेज कर दिया है। इस वर्ष पितृपक्ष मेला 25 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें देश-विदेश से आने वाले लाखों तीर्थयात्रियों की सुगम और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख संपर्क मार्गों की मरम्मत कराई जा रही है। जिला पदाधिकारी गया शशांक शुभंकर स्वयं विभिन्न मार्गों का नियमित निरीक्षण कर रहे हैं। उन्होंने पथ निर्माण विभाग और राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्यपालक अभियंताओं को स्पष्ट निर्देश दिया है कि अगले 10 दिनों के भीतर सभी प्रमुख एवं संपर्क सड़कों को हर हाल में दुरुस्त कर लिया जाए, ताकि मेला अवधि में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसी क्रम में राष्ट्रीय राजमार्ग-82 के माध्यम से गया जिले में प्रवेश करने वाले महत्वपूर्ण मार्ग, निर्माणाधीन मुफस्सिल फ्लाईओवर के दोनों ओर की सर्विस लेन, जगजीवन कॉलेज, पटवा टोली, और मुफस्सिल थाना होते हुए प्रखंड कार्यालय एवं मानपुर जाने वाले मार्गों पर विशेष रूप से मरम्मत कार्य कराया जा रहा है। सड़क की सतह दुरुस्त होने से तीर्थयात्रियों और आम नागरिकों को सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी तथा यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित बनाए रखने में भी मदद मिलेगी। इसके अलावा, जिला प्रशासन द्वारा साफ-सफाई, जल निकासी, पेयजल और प्रकाश व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाओं को भी प्राथमिकता के आधार पर अंतिम रूप दिया जा रहा है। जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि मेला शुरू होने से पहले सभी आवश्यक कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे कर लिए जाएं और श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़े कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। जिला प्रशासन का मुख्य लक्ष्य गया पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को जिले की सीमा में प्रवेश से लेकर मेला क्षेत्र एवं प्रमुख पिंडदान स्थलों तक सुरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक वातावरण प्रदान करना है, जिससे आने वाले सभी श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और उनका यह धार्मिक प्रवास पूरी तरह से शांतिपूर्ण और मंगलमय हो सके।

मगध मेडिकल अस्पताल में गंदगी और बदइंतजामी मिलने पर भड़के डीएम

» डीएम ने मगध मेडिकल अस्पताल के सभी वार्डों और परिसरों का लिया जायजा

» डीएम के निरीक्षण के बाद स्वास्थ्य महकमे में मचा हड़कंप

बीएनएम@ गयाजी

गया के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने बुधवार को मगध मेडिकल अस्पताल का विस्तृत निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर और वार्डों में साफ-सफाई, जलजमाव, प्रकाश व्यवस्था, दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सकों की उपस्थिति, मरीजों के भोजन और शौचालयों जैसी मूलभूत सुविधाओं की गहन समीक्षा की गई। सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिलने पर डीएम ने गहरी नाराजगी जताते हुए सभी छह हॉस्पिटल एवं हेल्थ मैनेजर से स्पष्टीकरण मांगा और तत्काल प्रभाव से उनका वेतन रोकने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगले 10 दिनों में व्यवस्थाओं में सुधार नहीं होने पर कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाएगी। प्रवेश द्वार पर बारिश का पानी जमा मिलने पर बीएमएसआईसीएल की एजेंसी को जल निकासी कराने और पेवर ब्लॉक लगाने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा, इमरजेंसी और एमसीएच वार्ड में खराब एसी व पंखों को ठीक करने, परिसर में निजी एंबुलेंस के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने तथा मरीजों को पर्याप्त दवाइयां उपलब्ध कराने को कहा गया। डीएम ने वार्डों में राज्य सरकार के निर्देशानुसार प्रतिदिन कलर कोड के अनुसार बेडशीट बदलने, शौचालयों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने और सार्वजनिक स्थानों पर डॉक्टरों का ड्यूटी रोस्टर प्रदर्शित करने का निर्देश दिया। रात्रिकालीन ड्यूटी में डॉक्टरों की उपस्थिति की निगरानी के लिए अधीक्षक को औचक निरीक्षण करने को कहा गया। मरीजों को मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता में 24 घंटे के भीतर सुधार लाने का निर्देश देते हुए डीएम ने चेतावनी दी कि मरीजों की सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गोली मारकर स्वर्ण कारोबारी से लूट का खुलासा, 5 हजार का इनामी समेत दो गिरफ्तार

» सिरिसिया में वारदात के बाद SIT ने दबोचे दोनों आरोपित, कट्टा-कारतूस, चाकू और बाइक बरामद

बीएनएम@ बेतिया

सिरिसिया थाना क्षेत्र में स्वर्ण कारोबारी को गोली मारकर सोना-चांदी व अन्य कीमती सामान लूटने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने वारदात में शामिल दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें अंतरजिला लूटकांड का पांच हजार रुपये का इनामी अपराधी दीपक कुमार भी शामिल है। दोनों की गिरफ्तारी 8 सितंबर को परसा नवका पुल के पास से की गई। पुलिस ने आरोपितों के पास से एक देशी कट्टा, जिंदा कारतूस, चाकू और मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 31 अगस्त की रात स्वर्ण कारोबारी गोविन्द साह, पिता सुरेन्द्र साह, निवासी गरभुआ लाला टोला, दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। इसी दौरान दोकनपुर छोटी नहर के पास बाइक सवार अपराधियों ने उन्हें घेर लिया। अपराधियों ने गोली मारकर उन्हें घायल कर दिया और उनके पास मौजूद सोना-चांदी सहित कीमती सामान लूटकर फरार हो गए थे। मामले में सिरिसिया थाना कांड संख्या 170/26 दर्ज किया गया था। घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक, पश्चिम चम्पारण के निर्देश पर सदर-1 एवं सदर-2 एसडीपीओ के नेतृत्व में SIT गठित की गई। टीम ने घटनास्थल व आसपास के CCTV फुटेज खंगाले। तकनीकी और मानवीय सूचना के साथ पूर्व के लूटकांडों में शामिल अपराधियों से पूछताछ के आधार पर पुलिस को अहम सुराग मिले। इसी आधार पर पुलिस ने मुसाफिर अंसारी (18), निवासी बेलवनवा, योगापट्टी और दीपक कुमार (19), निवासी बलुआ परेगवा, योगापट्टी को दबोच लिया। पूछताछ में दीपक ने योगापट्टी के अलावा मोतिहारी जिले के सुगौली थाना क्षेत्र में भी लूट-छिनतई की घटनाओं में शामिल होने की जानकारी दी है। पुलिस ने बताया कि पूछताछ और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर सिरिसिया लूटकांड में शामिल अन्य अपराधियों की पहचान कर ली गई है। उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है।

तीन थानों में दर्ज हैं मामले- पुलिस के अनुसार, मुसाफिर अंसारी के खिलाफ योगापट्टी थाना कांड संख्या 82/26 और सिरिसिया थाना कांड संख्या 170/26 दर्ज है। वहीं दीपक कुमार के खिलाफ योगापट्टी थाना कांड संख्या 82/26, सुगौली थाना कांड संख्या 38/26 और सिरिसिया थाना कांड संख्या 170/26 दर्ज है। इनमें सभी मामले में वह वांछित बताया गया है।

इनकी रही अहम भूमिका- छापेमारी दल में सदर-1 एसडीपीओ अजीत कुमार, सदर-2 एसडीपीओ राकेश भाष्कर, पर्यवेक्षी पदाधिकारी राजेश कुमार व ज्वाला सिंह, डीआईयू टीम, सिरिसिया थानाध्यक्ष पु०अ०नि० अनंत कुमार तथा सिरिसिया थाना के पुलिस पदाधिकारी व सशस्त्र बल शामिल रहे।

नेताजी चौक पर 5.5 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, बाइक जब्त

वाहन जांच के दौरान पुलिस ने दोनों को दबोचा, पहाड़पुर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं आरोपी

बीएनएम@ रामगढ़वा

भेलाही थाना पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 5 किलो 50 ग्राम गांजा के साथ दो कथित तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गांजा तस्करी में इस्तेमाल की जा रही होंडा शाइन मोटरसाइकिल भी जब्त की है। कार्रवाई थाना क्षेत्र के नेताजी चौक के पास वाहन जांच के दौरान हुई। थानाध्यक्ष गौरव कुमार ने बताया कि पुलिस टीम नेताजी चौक के समीप वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान होंडा शाइन बाइक से पहुंचे दो युवकों की गतिविधि संदिग्ध लगी। पुलिस ने बाइक रोककर दोनों की तलाशी ली। तलाशी के दौरान उनके पास से गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद हुआ। वजन कराने पर इसकी मात्रा करीब 5 किलो 50 ग्राम पाई गई। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अरविंद कुमार, पिता जगलाल साह, ग्राम मखनिया बलुआ तथा श्रीकांत प्रसाद, पिता बुनिलाल साह, ग्राम बलुआ सिमराही के रूप में हुई है। दोनों पहाड़पुर थाना क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार, बरामद मादक पदार्थ और बाइक को जब्त कर दोनों आरोपितों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पूछताछ में गांजा कहां से लाया गया था और इसे कहां पहुंचाया जाना था, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले में बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक खंगाला जा रहा है। जब्त बाइक का भी सत्यापन कराया जा रहा है। पूछताछ पूरी होने के बाद दोनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

मझहरिया में स्वास्थ्य शिविर में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़, 150 से अधिक मरीजों की हुई जांच

बीएनएम@ रामगढ़वा

रामगढ़वा प्रखंड के रघुनाथपुर पंचायत स्थित मझहरिया गांव में बुधवार को लगे निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में मरीजों की भीड़ उमड़ पड़ी। माँ प्रतिमा हॉस्पिटल के तत्वावधान में स्थानीय निवासी झुन्नू सिंह के दरवाजे पर आयोजित शिविर में आसपास के गांवों से पहुंचे 150 से अधिक मरीजों की जांच की गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की स्वास्थ्य समस्याएं सुनीं और आवश्यक उपचार व दवा को लेकर परामर्श दिया। शिविर का आयोजन युवा समाजसेवी अभिषेक कुमार के विशेष सहयोग से किया गया। ग्रामीण क्षेत्र में लोगों को उनके घर के नजदीक चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित शिविर में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। माँ प्रतिमा हॉस्पिटल के कंसल्टेंट फिजिशियन डॉ. कवि कुमार (डॉ. के.के. निर्मल), जनरल फिजिशियन डॉ. आर. कुमार, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. भूपेंद्र कुमार, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. कल्पना कुमारी एवं डॉ. वीणा कुमारी ने मरीजों की जांच की। चिकित्सकों ने सामान्य बीमारियों के साथ हड्डी, पेट व अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को लेकर मरीजों को आवश्यक सलाह दी। शिविर में कई मरीजों को मुफ्त दवाइयां भी उपलब्ध कराई गईं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लोगों के लिए गांव में ही विशेषज्ञ चिकित्सकों की सुविधा मिलने से उन्हें इलाज के लिए दूर जाने की परेशानी से राहत मिली। स्वास्थ्य जांच कराने पहुंचे ग्रामीणों ने शिविर को उपयोगी बताते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन गांवों में नियमित रूप से होने चाहिए। आयोजकों ने भी ग्रामीण क्षेत्रों में जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए ऐसे शिविर जारी रखने की बात कही।

पटना जंक्शन के पास शराब के साथ युवती गिरफ्तार, यूपी से तस्करी कर लाने का आरोप

बीएनएम@ पटना

राजधानी में अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कोतवाली थाना पुलिस ने पटना जंक्शन के पास से एक युवती को अंग्रेजी शराब की खेप के साथ गिरफ्तार किया है। एएसपी लॉ एंड ऑर्डर कृष्ण मुरारी प्रसाद के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने निगरानी बढ़ाते हुए बाइक पर सवार युवती और उसके साथ मौजूद युवकों को संदिग्ध गतिविधि के चलते रोका। तलाशी के दौरान युवती के हैंड बैग और शोल्डर बैग से करीब 14 हजार रुपये मूल्य की अंग्रेजी शराब की बोतलें बरामद की गईं। पूछताछ में युवती ने खुलासा किया कि वह प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करती है और एक परिचित युवक द्वारा पैसों का लालच दिए जाने पर वह ट्रेन के जरिए उत्तर प्रदेश से शराब की यह खेप लेकर पटना पहुंची थी, जहां स्टेशन के बाहर निकलते ही उसे दबोच लिया गया। पुलिस अब मुख्य तस्कर की तलाश करने के साथ-साथ इस अवैध नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी गहन जांच कर रही है।

भव्य शोभायात्रा से सराबोर हुआ इलाका, गूंजा मानव कल्याण का संदेश

बीएनएम@ एकंगरसरायः- विहंगम योग संत समाज की ओर से बुधवार को एकादश स्वर्वेद यात्रा संदेश महोत्सव 2026 के तहत एक भव्य स्वर्वेद शोभायात्रा निकाली गई। सद्गुरु आचार्य श्री स्वतंत्रदेव जी महाराज एवं संत प्रवर श्री विज्ञानदेव जी महाराज के आदेशानुसार आयोजित इस यात्रा में सैकड़ों महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।स्थानीय पुअर होमियो औषधालय, इस्लामपुर रोड से शुरू होकर यह शोभायात्रा काली स्थान, उपरकी बाजार, टावर रोड, जहानाबाद रोड और पटना रोड से गुजरते हुए पुनः इस्लामपुर रोड पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक जीवन, आत्मज्ञान और सदाचार अपनाने का आह्वान किया। आयोजकों ने बताया कि विहंगम योग का मुख्य उद्देश्य मानव जीवन को आंतरिक शांति और आध्यात्मिक चेतना से जोड़ना है।कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रखंड संयोजक लालबाबू केशरी, सुरेंद्र प्रसाद, शिवनंदन प्रसाद, उषा देवी, आशालता कुमारी, अनिल प्रसाद और राकेश कुमार सहित अन्य सदस्यों की भूमिका सराहनीय रही।

बाढ़ प्रभावित इलाकों का प्रभारी मंत्री और डीएम ने लिया जायजा

राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश, ग्रामीणों से रूबरू होकर जानी समस्याएं

» 94 सामुदायिक रसोई और 22 मेडिकल कैंपों के जरिए मिल रही राहत

बीएनएम@ समस्तीपुर

बिहार के परिवहन मंत्री सह जिला प्रभारी मंत्री दामोदर राउत और जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा ने गंगा के बढ़े जलस्तर से उत्पन्न बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के लिए प्रभावित इलाकों का दौरा किया। अधिकारियों ने पत्थर घाट, रसलपुर और जौनापुर जैसे क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की और ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। जिला प्रशासन के अनुसार, बाढ़ से अब तक 2 लाख 33 हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। राहत और बचाव कार्यों के तहत जिले में 94 सामुदायिक रसोई संचालित की जा रही हैं, जिनसे 98 हजार से अधिक लोगों को भोजन कराया गया है। इसके अलावा, विस्थापित परिवारों के बीच 32,515 पॉलिथीन शीट का वितरण किया गया है। स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए 22 मेडिकल कैंप और पशुओं की देखभाल के लिए 17 शेड व चिकित्सा कैंप लगाए गए हैं, साथ ही 810 क्विंटल पशु चारा वितरित किया जा चुका है। प्रभावित क्षेत्रों में आवागमन और राहत सामग्री पहुंचाने के लिए 227 नावों का परिचालन किया जा रहा है। प्रभारी मंत्री और डीएम ने अधिकारियों को तटबंधों और जलस्तर पर कड़ी नजर रखने तथा राहत कार्यों में पूरी पारदर्शिता और तत्परता बरतने के सख्त निर्देश दिए हैं।

महापौर ने किया निर्माणाधीन मूत्रालयों का निरीक्षण

बीएनएम@ बेतिया

नगर निगम क्षेत्र में नागरिकों को बेहतर प्रसाधन सुविधाएं उपलब्ध कराने की पहल तेज कर दी गई है। इसी क्रम में महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने दल-बल के साथ बेतिया-बगहा रोड और बेतिया-मैनाटांड़ रोड स्थित छावनी रेलवे ओवरब्रिज के नीचे निर्माणाधीन सार्वजनिक मूत्रालयों का सघन निरीक्षण किया और निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान महापौर ने बताया कि शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और भीड़भाड़ वाले स्थानों को चिह्नित कर ई-टेंडरिंग के माध्यम से सार्वजनिक प्रसाधन सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक मूत्रालयों के अभाव में लोगों को परेशानी होती है और खुले में मूत्र त्याग से स्वच्छता प्रभावित होती है। एक स्वच्छ और व्यवस्थित शहर के लिए सड़क और नाली के साथ-साथ प्रसाधन सुविधाओं की उपलब्धता और उनका नियमित रखरखाव भी बेहद जरूरी है।

नीति में उचित बदलाव लाए

पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा बढ़ाने की नीति के गंभीर परिणाम सामने होने के बावजूद सरकार में इस नीति पर पुनर्विचार के संकेत नहीं हैं। जबकि उचित यह होगा कि वह इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न ना बनाए। केंद्र के इस दावे पर यकीन करना कठिन है कि चीनी आयात के फैसले का पेट्रोल में इथेनॉल की मिलावट से कोई संबंध नहीं है। अभी हाल तक अच्छी फसल वाले साल में भारत 70 लाख टन तक चीनी का निर्यात करता था। अब दस लाख टन चीनी आयात करने की नौबत आई है। गणित सीधा है। खबरों के मुताबिक 28 फीसदी इथेनॉल का उत्पादन गन्ने से हो रहा है। अनुमान है कि जितना गन्ना इसमें लगा, उससे 30 लाख टन चीनी बन सकती थी। ऐसा होता, तो देश में मांग की तुलना लगभग 20 लाख टन अतिरिक्त चीनी उपलब्ध रहती। इसलिए इस धारणा में दम है कि वाहनों में ईंधन के रूप इथेनॉल के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की गुमराह नीति विदेशी मुद्रा की किल्लत के दौर में चीनी जैसी सामान्य वस्तु के आयात के लिए जिम्मेदार है। लेकिन बात यहीं तक नहीं है। चावल जैसे आम अनाज का भी इथेनॉल उत्पादन में इस्तेमाल बढ़ रहा है। खबरों के मुताबिक बीते अप्रैल-जुलाई के बीच भारतीय खाद्य निगम ने इस मकसद से 23.42 लाख टन चावल बेचा। वित्त वर्ष 2025-26 में इससे दो गुना चावल इसके लिए बेचा गया था। इस रुझान में किस तेजी से वृद्धि हुई है, इसे जानने के लिए इस पर गौर करना पर्याप्त होगा कि 2023-24 तक महज 8.96 लाख टन चावल का इथेनॉल उत्पादन में इस्तेमाल हुआ था। इस उद्देश्य के लिए मक्के का उपयोग भी बढ़ा है। संभवतः ऐसी ही सूचनाओं से चिंतित होकार कुछ रोज पहले नरेंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागश्वेरन ने एक अखबार में लेख लिख कर अपनी चिंता जताई थी। उन्होंने इथेनॉल उत्पादन में बड़े पैमाने पर पानी के इस्तेमाल को लेकर भी आगाह किया था। तब तक चीनी आयात का फैसला सामने नहीं आया था। अब चूंकि इथेनॉल का यह परिणाम सामने है, तो बाकी चिंताएं भी अधिक गंभीर हो गई हैं। मगर सरकार के अंदर पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा बढ़ाने की नीति पर पुनर्विचार के संकेत नहीं हैं। जबकि उचित यह होगा कि बिना प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाए वह तुरंत इस नीति में उचित बदलाव लाए।

विकास के आंकड़ों की जांच-परख

डॉ. सौरभ गर्ग और डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन

अभिषेक आनंद, जोश फेल्मन और अरविंद सुब्रमण्यन ने यह पूछा है कि जिस तिमाही में ऊर्जा के क्षेत्र में जोरदार झटके लगे हों, उसमें भारत की विकास दर आखिर 7.8 प्रतिशत कैसे हो सकती है। बेशक, यह एक उचित सवाल है। इसका एक जवाब भी है और वह जवाब पिछले कुछ वर्षों से सबके सामने ही है।

समय से ही शुरुआत करते हैं। इस तिमाही की अवधि अप्रैल से जून 2026 तक थी। इससे ठीक पहले ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका एवं इजराइल के बीच का संघर्ष चरम पर पहुंच गया था। तेल की कीमतों में जोरदार उछाल आया और भारत ने इसका असर महसूस किया। हालांकि मार्च और अप्रैल के शुरुआती दिनों में इस जबरदस्त व्यवधान में कमी आई। मई आते-आते दबाव के बदल छंट गए।जून तक, मुश्किल दौर बीत चुका था। तीन महीने वाली तिमाही की शुरुआत के कुछ मुश्किल हफ्ते उस तिमाही के आंकड़ों को मनगढ़ंत नहीं बना देते।

उन महीनों के सबूत एक ही दिशा की ओर इशारा करते हैं। ऑटोमोबाइल की बिक्री में निरंतर बढ़ोतरी हुई। एक प्रतिस्पर्धी मुद्रा की मदद से बैंक ऋण और निर्यात में बढ़ोतरी हुई। जीएसटी की दरों में कटौती के बावजूद, इसका संग्रह मजबूत बना रहा और हाल ही समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में इसमें 8.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। 2025-26 तक के तीन वर्षों में, जीएसटी के सकल संग्रह में 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि 'नॉमिनल जीडीपीÓ में 31.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ये दोनों आंकड़े बिल्कुल अलग-अलग क्षेत्रों से आए हैं और दोनों ही लगभग एक-दूसरे से मेल खाते हैं। जीएसटी रिटर्न कंपनियां दाखिल करती हैं। ऋण संबंधी आंकड़े बैंकों से आते हैं। व्यापार के आंकड़े बंदरगाहों से आते हैं। इनमें से कोई भी आंकड़ा सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा तैयार नहीं किया जाता है।

अर्थव्यवस्था आखिर टिकी क्यों रही? क्योंकि कई सुधारों को एक साथ अपनाया गया। वर्ष 2022-23 के बाद से केन्द्र सरकार का पूंजीगत व्यय 65 प्रतिशत बढ़ा है और इस वर्ष इसमें 11.5 प्रतिशत और बढ़ोतरी का बजट रखा गया है। एक दशक में बनाई गई सड़कें, बंदरगाहें और बिजली संयंत्र तेल के महंगे होने पर ठप्प नहीं पड़े। डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे ने अनौपचारिक गतिविधियों के एक बड़े हिस्से को औपचारिक बनाया और उन्हें मापी जा सकने वाली अर्थव्यवस्था में शामिल किया है। दिवाला संहिता ने डूबे हुए कर्ज (बैड डेट) से निपटने के बैंकों और कंपनियों के तौर-तरीकों को बदल दिया। रियल एस्टेट कानून ने उस सेक्टर को साफ-सुथरा बनाया, जो कभी अटकी हुई परियोजनाओं और पैसे के अपारदर्शी लेन-देन के लिए जाना जाता था। 'द इकोनॉमिस्टÓ ने 2023 में उस सफाई अभियान का उल्लेख किया था। उसने नई दिल्ली पर कोई मेहरबानी नहीं की थी।

इसके बाद, तेल की कीमतों में अचानक आए उछाल से निपटने के लिए सरकार ने जो कुछ किया, वह भी सामने है। उसने कीमतों में हुई बढ़ोतरी का बोझ आम परिवारों और कंपनियों पर नहीं डाला। उसने इसकी लागत खुद वहन की। राजकोषीय गुंजाइश (फिस्कल स्पेस) का उद्देश्य ही यही है और भारत ने इसे तैयार किया है। इसका सबूत 2 सितंबर को मिला। जापान की क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने भारत की रेटिंग को बीबीबी+ से बढ़ाकर ए- कर दिया और इसके साथ ही स्थिर संभावना भी जताई। इसके अलावा, देश की रेटिंग सीमा (कंट्री सीलिंग) को भी ए कर दिया। भारत को तीन दशकों से अधिक समय से 'एÓ रेटिंग नहीं मिली है। एजेंसी ने डिजिटल सार्वजनिक ढांचे, जीएसटी, दिवाला संहिता और सकल गैर-निष्पादित ऋण अनुपात (ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग लोन रेश्यो) के 1.8 प्रतिशत तक कम होने का उल्लेख किया। उसने यह भी कहा कि केन्द्र सरकार ने उच्च पूंजीगत व्यय को जारी रखते हुए भी अपने राजकोषीय घाटे को वित्तीय वर्ष 2025 में जीडीपी के 4.7 प्रतिशत से घटाकर वित्तीय 2026 में 4.4 प्रतिशत कर लिया। टोक्यो स्थित एक रेटिंग समिति के लिए दिल्ली में किसी को खुश करने की कोई वजह नहीं है। उन्होंने भी उन्हीं सुधारों को देखा और वही नतीजा निकाला।

अब आलोचना के मुख्य बिंदु पर आते हैं। लेखकगण पूछते हैं कि अगर आज ये संकेतक 7.8 प्रतिशत की विकास दर को सही ठहराते हैं, तो पूर्व के वर्षों में वैसी ही विकास दर कमजोर संकेतकों के साथ क्यों संभव हुई थी? यह मान लेना कि विकास हमेशा एक जैसी चीजों से ही संभव होती है, जरूरी नहीं है। निर्यात और औपचारिक ऋण से प्रेरित तिमाही, घरेलू खर्च या सरकारी निवेश से चलने वाले वर्ष जैसी नहीं होगी। पूर्व के वर्षों में विकास के अपने कारण थे, जो उस समय साफ दिख रहे थे। वर्ष 2024-25 तक, शेयर बाजार तेजी से चढ़ा और अधिक संख्या में भारतीयों ने निवेश करना शुरू किया। वर्ष 2022-23 और 2024-25 के बीच परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत में 60 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई। गैर-बैंक और तकनीक-आधारित ऋणदाता तेजी से बढ़े। वाणिज्यिक क्षेत्र में कुल संसाधनों का प्रवाह तीन वर्षों में 72 प्रतिशत बढ़ा, जिसमें गैर-बैंकों की हिस्सेदारी 96 प्रतिशत बढ़ी। ये असली कारण थे। बस, वे अलग थे।

मार्च 2023 से मार्च 2026 के बीच सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को दिए गए बकाया ऋण में 66.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। जुलाई 2026 में भी यह बढ़ोतरी लगभग 25 प्रतिशत की दर से जारी थी। ऐसा कहा जाता है कि ऊर्जा की कीमतों में अचानक उछाल से छोटी कंपनियों को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। लेकिन उन्हें ऋण देने वाले इस बात से सहमत नहीं दिखते। ऋणदाता आम तौर पर उन कंपनियों को ऋण नहीं देते, जिनके असफल होने की आशंका होती है।

लेखकों के तर्क की तह में यह बात छिपी है कि सांख्यिकी मंत्रालय का काम सरकार की छवि को बेहतर दिखाना है। लेकिन आंकड़े इस बात की पुष्टि नहीं करते। वर्ष 2023-24 के लिए, मंत्रालय ने विकास दर के अनुमान को 9.2 प्रतिशत (पुरानी श्रृंखला के तहत) से घटाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया था। यानी, उन्होंने खुद ही लगभग दो प्रतिशत अंक कम कर दिए। अन्य आरोपों के मामले में भी गणित खिलाफ जाता है। वर्ष 2024-25 में, नई श्रृंखला के तहत नॉमिनल जीडीपी की विकास दर पुरानी श्रृंखला के मुकाबले कम रही – 9.8 प्रतिशत के मुकाबले 9.4 प्रतिशत – जबकि असल विकास बढ़ी। नॉमिनल जीडीपी सरकार के राजकोषीय लक्ष्यों का आधार होती है। सरकार सबसे ज़्यादा इसी आंकड़े को ऊंचा रखना चाहती है। अगर कोई मंत्रालय आंकड़ों में हेरफेर करता है, तो वह ऐसा अपनी कीमत पर नहीं करता। वर्ष 2024-25 और 2025-26 को मिलाकर देखें, तो नई श्रृंखला के तहत औसत असल विकास दर 7.0 प्रतिशत से बढ़कर 7.5 प्रतिशत हो जाती है। यह आधा प्रतिशत अंक अधिक है। अगर तीन वर्षों – 2023-24 से 2025-26 – को लें, तो नई में औसत ग्रोथ पुरानी श्रृंखला के मुकाबले कम है – 7.7 प्रतिशत के मुकाबले 7.4 प्रतिशत।

लेखकगण अपनी बात एक कहावत के साथ खत्म करते हैं। वे लिखते हैं कि जो नियम आज लागू होता है, वही नियम पहले भी लागू होना चाहिए। यह सिद्धांत सही है। हमारी बस यही मांग है कि इसे पूरी तरह से लागू किया जाए। पिछले सालों के आंकड़े भी मौजूद हैंः जैसे घरेलू बचत, क्रेडिट में बढ़ोतरी, संसाधनों का प्रवाह, करों से होने वाली कमाई और निवेशकों का बढ़ता दायरा। अगर आप कुछ ही संकेतकों को देखें, तो पिछला समय कमजोर लग सकता है। लेकिन अगर आप सभी संकेतकों पर गौर करें, तो ऐसा नहीं लगता। भारत ने एक बड़े झटके का सामना किया और आगे बढ़ता रहा। ऐसा इसलिए हो पाया क्योंकि उसने एक दशक में अपनी क्षमता बढ़ाई थी और वित्तीय मजबूती हासिल की थी। यह एक ठोस नतीजा है, न कि कोई बनावटी बात।

(लेखक सौरभ गर्ग, सचिव, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, वी. अनंत नागेश्वरन, भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार)

राम मंदिर और तीन तलाक दोनों चुनाव प्रचार का मुद्दा

हरिशंकर व्यास

प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की उन उपलब्धियों की बात करें, जो सचमुच बताने लायक हैं या जिन्हें सही अर्थों में उपलब्धि कह सकते हैं तो उसमें सबसे पहले जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 और अनुच्छेज 35ए हटाने का फैसला है। हालांकि इन्हें हटाने से पहले भी इनका असर बहुत कम रह गया था। फिर भी इन दोनों को हटाना बड़ा फैसला था। अनुच्छेद 370 हटाने और राज्य का विभाजन करने के बाद वहां शांति बनाए रखना और आतंकवादी घटनाओं को तुलनात्मक रूप से कम कर देना बड़ी उपलब्धि है। हालांकि उसके बाद जो बदलाव होने चाहिए थे और जम्मू कश्मीर को जिस तरह भारत की मुख्यधारा से जुडऩा चाहिए था वह नहीं हो सका। इसी तरह नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए एक वास्तविक उपलब्धि है। जिस तरह दुनिया में यहूदियों के लिए एक देश इजराइल है वैसे ही हिंदुओं के लिए एक देश भारत है। इसलिए यह कानून होना चाहिए कि अगर कोई हिंदू कहीं से प्रताड़ित होकर भारत आता है तो उसे नागरिकता मिले। इस दिशा में सीएए से एक पहल हुई। हालांकि यह कानून सिर्फ पड़ोस के इस्लामिक देशों से आने वाले गैर मुस्लिमों के लिए है फिर भी यह अच्छी पहल है। हालांकि सरकार ने कानून बनाने के बाद पांच साल तक इसके नियम अधिसूचित नहीं किए और जब किए भी तो पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से प्रताड़ित होकर भारत आए गैर हिंदुओं को नागरिकता देने की रफ्तार बहुत धीमी और प्रक्रियागत परेशानियां ज्यादा हैं। ऐसे ही राम मंदिर के निर्माण को कम से कम भाजपा के नजरिए से उपलब्धि कह सकते हैं क्योंकि भाजपा ने इसे दशकों पहले अपना राजनीतिक मिशन बनाया था। हर चुनाव में घोषणापत्र में इसे शामिल किया जाता था।

भले जमीन का फैसला सुप्रीम कोर्ट ने किया लेकिन यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि केंद्र में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार आने के बाद मंदिर निर्माण का काम आसान हो गया। अदालत के फैसले के बाद रिकॉर्ड टाइम में इसे बनाया गया। हालांकि आने वाली पीढिय़ों के लिए इसमें भी स्मृति चढ़ावा चोरी की रहेगी। मुस्लिम महिलाओं की स्थिति सुधारने के लिए तीन तलाक खत्म करने और उसे अपराध बनाने का कानून भी एक बड़ा सुधारवादी कदम है। हालांकि राम मंदिर और तीन तलाक दोनों भाजपा के लिए चुनाव प्रचार का मुद्दा हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है, आज आप जो भी काम शुरू करेंगे उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी। जो लोग सरकारी नौकरी से जुड़े हैं उनके लिए आज का दिन उत्तम रहने वाला है। लंबे समय से प्रमोशन में आ रही रुकावट आज दूर होगी। जिनकी जॉब अभी नई-नई शुरू हुई है उनको ऑफिस में कलीग का सहयोग मिलेगा। घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे छात्रों को थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है।

वृष राशि : आज आपका दिन बढिय़ा रहने वाला है। आज परिवार के लोगों से आपको भरपूर सहयोग प्राप्त होगा, खासकर आपके प्रति बड़ों का प्यार बना रहेगा। साथ ही बच्चे भी आपसे खुश रहेंगे। आज आप किसी नये बिजनेस को शुरू करने का विचार कर सकते हैं। आज किसी भी कार्य में सफलता आपके हाथ जरूर लगेगी।

मिथुन राशि : आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आज आपकी मेहनत के मुताबिक ही आपको फल मिलेगा, इसलिए मेहनत जारी रखे। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए दोगुनी मेहनत करने का दिन है। एक निर्धारित टाइम टेबल बनाकर पढ़ाई करेंगे तो आपकी सफलता के चांस बढ़ जायेंगे। जिन लोगों की जल्द ही शादी हुई है, वे आज एक दूसरे को अच्छे से समझेंगे। साथ ही कहीं घूमने का प्लान भी बनायेंगे।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहने वाला है। आज आपको आय के नए-नए स्त्रोत मिलेंगे, जिससे आपको अच्छी इनकम होगी। आज ऑफिस में किसी सीनियर का सहयोग मिलने से काम में आसानी होगी। आज आपके दांपत्य जीवन में मधुरता आयेगी। जॉगिंग पर जाने से दिनभर खुद को तरोताजा महसूस करेंगे।

सिंह राशि : आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। कोई भी बड़ा काम शुरू करने से पहले उस क्षेत्र से जुड़े लोगों की राय जरूर ले लें। आज आपके व्यापार की गति अच्छी बनी रहेगी। आज आपको आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की जरूरत है, बदलते मौसम का असर हो सकता है। आज आपको ऑफिस के काम में किसी सहकर्मी का सहयोग मिलेगा। दांपत्य जीवन में अच्छा ताल मेल बना रहेगा।

कन्या राशि :आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज आप कोई ऐसी चीज हासिल कर पायेंगे, जिसकी आपको बहुत कम उम्मीद थी। आज आपके मन में नए-नए क्रिएटिव आइडियाज आयेंगे, जिनका आप बखूबी इस्तेमाल भी करेंगे। ऑफिस में हर कोई आपके काम से खुश रहेगा। आपके जुनियर भी आपसे काम सीखने आयेंगे। आज आप परिवार के साथ किसी दार्शनिक स्थल पर घूमने जा सकते है।

तुला राशि : आज आपका दिन पहले से बेहतर रहेगा। आज किसी पर भी तुरंत भरोसा ना करें, ये आपके लिये थोड़ा परेशानी भरा हो सकता है। बिजनेस में लेन-देन का ख्याल रखें, कोई भी बड़ी डील करने से पहले सब कुछ अच्छे से जांच परख कर लें। जो महिलाएं गृह उद्योग शुरू करना चाहती हैं, उनको परिवार से पूरा सहयोग मिलेगा। आज माता के स्वास्थ्य के प्रति आपको थोड़ा सतर्क रहना चाहिए।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज आपके घर पर कोई रिश्तेदार आ सकते है, घर में अच्छा माहौल बना रहेगा। अगर मन में कोई बात आपको परेशान कर रही है, तो अपने दोस्तों से इस बारे में बात करें आपको अच्छा समाधान मिल सकता है। एजुकेशन सेक्टर में काम कर रहे लोगों को आज अच्छा फायदा होगा। आपका दिन अच्छा गुजरेगा।

धनु राशि : आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपकी धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आज आप किसी विशेष काम का हिस्सा बन सकते हैं। कई दिनों से रुका हुआ पैसा आज आपको वापस मिल सकता है। जो लोग स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े हैं, उनके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा। आज आप खुद पर विश्वास बनाये रखें।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए बढिय़ा रहने वाला है। आज आपके अंदर कॉन्फिडेंस बना रहेगा। आज कारोबार से जुड़े कुछ जरूरी काम पूरे होंगे, आप नए काम पर पूरा फोकस करेंगे। आज आप बच्चों से कोई नई बात सीख सकते हैं। साथ ही जीवनसाथी की अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे। हर जगह से आपको काम के लिये ऑफर मिलते दिखायी देंगे।

कुंभ राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। लंबे समय से चल रही कोई योजना आज पूरी हो जायेगी। आज आपका दिन पहले से ज़्यादा बेहतर रहने वाला है। कोई नया काम शुरू करने के बारे में भी सोच सकते हैं, दिन आपके लिये अच्छा है। जो लोग कला या संगीत के क्षेत्र से जुड़े हैं, उनके लिये आज का दिन उत्तम रहने वाला है।

मीन राशि : आज आपका दिन बढिय़ा रहने वाला है। आज आप अपने विवेक का इस्तेमाल करके रुके हुए कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। पिता का सहयोग मिलने से काम समय से पूरा हो जायेगा। आपको आस-पास की चीजों पर ध्यान रखना चाहिए। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए अच्छा रहने वाला है।

जहरीली शराब से फिर मौतों का तांडव :सागर से उठता सवाल -जहरीली शराब की कीमत कौन चुका रहा है ?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत में जहरीली शराब से मौत की खबर कोई नई खबर नहीं है।वर्षों से अलग-अलग राज्यों से ऐसी त्रासदियां सामने आती रही हैं और हर बार मौतों के बाद जांच,छापे, गिरफ्तारी,निलंबन, मुआवजा और कठोर कार्रवाई के आश्वासन सुनाई देते हैं।लेकिन कुछ समय बाद वही कहानी किसी दूसरे जिले, दूसरे राज्य और दूसरे गांव में फिर सामने आ जाती है। 6 सितंबर 2026 को मध्य प्रदेश के सागर जिले के बंडा क्षेत्र से सामने आई कथित जहरीली/अवैध शराब की त्रासदी ने इसी पुराने प्रश्न को फिर राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया है, आखिर जहरीली शराब का नेटवर्क बार-बार क्यों लौट आता है और उसे स्थायी रूप से तोड़ने में व्यवस्था क्यों सफल नहीं हो पा रही?मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मीडिया के हवाले से बताना चाहूंगा कि सागर में 6 सितंबर को सुबह से मृतकों की संख्या लगातार बदलती रही।शुरुआती रिपोर्टों में 8-9 मौतें सामने आईं,बाद में 11 और कुछ रिपोर्टों में 12 से 14 से अधिक मौतों की सूचना दी गई।30 से अधिक लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की खबरें भी सामने आईं। प्रभावित क्षेत्र में बंडा तहसील के कई गांवों के नाम सामने आए हैं और प्रशासन ने मेडिकल तथा जांच टीमें तैनात की हैं।शुरुआती चिकित्सकीय आकलन में मेथनॉल विषाक्तता की आशंका व्यक्त की गई,लेकिन अंतिम कारण पोस्टमार्टम और रासायनिक जांच के बाद ही निश्चित होगा। साथियों,इस घटना ने एक और गंभीर पहलू सामने रखा है।प्रारंभिक जांच संबंधी रिपोर्टों में उत्तर प्रदेश के ललितपुर से कथित नकली शराब नेटवर्क का कनेक्शन सामने आने की बात कही गई है।जांच रिपोर्टों के अनुसार नकली शराब को वास्तविक ब्रांड जैसा दिखाने के लिए नकली लेबल, ढक्कन और क्यूरआर कोड का इस्तेमाल किए जाने का आरोप है तथा इसे वाहनों और मोटरसाइकिलों के माध्यम से मध्य प्रदेश के गांवों तक पहुंचाने की बात सामने आई है।कुछ रिपोर्टों में पांच शराब दुकानों को सील किए जाने की जानकारी भी है। हालांकि इस पूरे नेटवर्क की वास्तविक संरचना और किस स्तर तक इसकी पहुंच थी,यह जांच पूरी होने के बाद ही सटीकता से स्पष्ट होगा। साथियों,यहीं से पहला और सबसे बड़ा प्रश्न उठता है शराब माफिया आखिर इतना संगठित कैसे हो जाता है कि नकली उत्पाद तैयार कर सके,उसे असली ब्रांड जैसा पैक कर सके,नकली क्यूरआर कोड लगा सके,सीमावर्ती जिलों में पहुंचा सके और अंततः उपभोक्ताओं तक पहुंचा सके? यदि किसी नेटवर्क में उत्पादन, पैकेजिंग, परिवहन, वितरण और स्थानीय बिक्री की अलग- अलग कड़ियां मौजूद हैं,तो यह केवल एक व्यक्ति की आपराधिक गतिविधि नहीं रह जाती;यह संगठित अवैध अर्थव्यवस्था का रूप ले लेती है।सागर की प्रारंभिक जांच में ललितपुर कनेक्शन की बात सामने आना इसी पहलू को गंभीर बनाता है। साथियों,बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े पहले स्तरः शराब माफिया,नकली शराब की पूरी श्रृंखला को समझने की करें तो,अवैध शराब का कारोबार सामान्यतः केवल उस व्यक्ति तक सीमित नहीं होता जो अंतिम बोतल बेचता है।सवाल यह है कि नकली शराब बनती कहां है,उसके लिए कच्चा माल और रसायन कहां से आते हैं,उसे तैयार कौन करता है,बोतलों में कौन भरता है नकली ब्रांडिंग कौन करता है,परिवहन कौन करता हैऔर स्थानीय स्तर पर उसे बेचने वाला कौन है? सागर मामले में यदि ललितपुर से उत्पादन और सागर तक आपूर्ति की जांच सही साबित होती है, तो जांच एजेंसियों को केवल स्थानीय विक्रेता तक रुकने के बजाय पूरे सप्लाई नेटवर्क को खंगालना होगा।मई 2026 के पुणे मामले ने भी इसी नेटवर्क की गंभीरता दिखाई थी। वहां जांच में मेथनॉल की आपूर्ति और उसे अवैध शराब में मिलाए जाने की कड़ी सामने आई तथा एफ़डीए ने हजारों किलोग्राम मेथनॉल जब्त किया था।यानें जहरीली शराब की समस्या केवल कुछ लोग चोरी से शराब बना रहे हैं तक सीमित नहीं है; इसके पीछे रसायनों की उपलब्धता,अवैध उत्पादन वितरण और स्थानीय बिक्री जैसी अनेक कड़ियां हो सकती हैं। साथियों,बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े दूसरे स्तर, प्रशासन और आबकारी व्यवस्था,निगरानी कहां टूटती है? इसको समझने की करें तो,दूसरा सवाल सीधे प्रशासन और आबकारी विभाग की जिम्मेदारी से जुड़ता है।लाइसेंस प्राप्त शराब दुकानों की निगरानी, अवैध बिक्री की पहचान, संदिग्ध शराब की जांच,स्टॉक और दस्तावेजों का सत्यापन तथा अवैध नेटवर्क के विरुद्ध कार्रवाई व्यवस्था की जिम्मेदारियों का हिस्सा हैं।यदि किसी क्षेत्र में लंबे समय तक अवैध शराब बिकती रहती है,तो यह पूछना स्वाभाविक है कि स्थानीय सूचना तंत्र, पुलिस, आबकारी विभाग और जिला प्रशासन के बीच समन्वय कितना प्रभावी था।लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण सिद्धांत भी जरूरी है,हर जहरीली शराब की घटना के बाद पूरे प्रशासन को बिना जांच दोषी घोषित करना उचित नहीं है।दोष व्यक्तिगत अधिकारियों का है?,विभागीय लापरवाही है? स्थानीय मिलीभगत है? या नेटवर्क ने निगरानी को चकमा दिया? यह स्वतंत्र जांच से तय होना चाहिए।फिर भी यदि जांच में यह सामने आता है कि शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई,संदिग्ध दुकानों की निगरानी नहीं की गई या अधिकारियों ने जानबूझकर आंखें बंद कीं, तो जवाबदेही केवल माफिया तक सीमित नहीं रह सकती।पुणे त्रासदी के बाद पुलिस और आबकारी विभाग के 22 कर्मचारियों के निलंबन? ने यही सिद्धांत सामने रखा कि यदि सरकारी निगरानी में गंभीर चूक प्रमाणित होती है तो प्रशासनिक जवाबदेही भी सटीकता से तय की जा सकती है। साथियों बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े तीसरे स्तरःराजनीतिक और आर्थिक विरोधाभास,राजस्व बनाम जीवन इसको समझने की करें तो,भारत में शराब एक बड़ा आर्थिक क्षेत्र है और अनेक राज्य इससे महत्वपूर्ण राजस्व प्राप्त करते हैं। यही सबसे बड़ा विरोधाभास पैदा करता है। एक ओर सरकार शराब की बिक्री को नियंत्रित और लाइसेंस करती है तथा उससे राजस्व प्राप्त करती है; दूसरी ओर उसी व्यवस्था के समानांतर अवैध शराब का बाजार खड़ा हो जाता है, जो कभी-कभी सीधे मानव जीवन के लिए खतरा बन जाता है।इसका अर्थ यह नहीं कि वैध शराब की बिक्री अपने आप जहरीली शराब की जिम्मेदार है। समस्या उस समय पैदा होती है जब वैध और अवैध बाजार के बीच निगरानी की दीवार कमजोर पड़ती है। नकली बोतल, नकली लेबल, नकली क्यूरआर कोड और असली ब्रांड की नकल उपभोक्ता को यह समझने का अवसर ही नहीं देती कि वह क्या पी रहा है। सागर मामले में सामने आई कथित फर्जी पैकेजिंग इसी चिंता को और गंभीर बनाती है।इसलिए प्रश्न शराब के राजस्व को बंद करने या जारी रखने से पहले यह होना चाहिए कि क्या सरकार की नियामक क्षमता इतनी मजबूत है कि राजस्व व्यवस्था के साथ नागरिकों की सुरक्षा भी सटिका से सुनिश्चित की जा सके? साथियों बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े,चौथे स्तरः मानव जीवन बनाम सरकारी राजस्व को समझने की करें तो,सबसे बड़ा प्रश्न आखिरकार आर्थिक नहीं, मानवीय है। एक व्यक्ति की मृत्यु का मूल्य किसी सरकारी राजस्व तालिका में दर्ज नहीं किया जा सकता। जहरीली शराब से मरने वाले व्यक्ति के पीछे एक परिवार होता है बच्चे होते हैं, माता-पिता होते हैं, पत्नी या पति होते हैं, भविष्य की योजनाएं होती हैं और परिवार की आर्थिक सुरक्षा होती है।यदि कोई व्यक्ति जहरीली शराब पीकर मरता है तो नुकसान केवल एक जीवन का नहीं होता। परिवार की आय समाप्त हो सकती है, बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो सकती है, चिकित्सा खर्च बढ़ सकता है, परिवार कर्ज में जा सकता है और सामाजिक सुरक्षा की आवश्यकता पैदा हो सकती है। इसलिए जहरीली शराब की वास्तविक सामाजिक लागत उस तत्काल सरकारी राजस्व से कहीं अधिक हो सकती है जो शराब के वैध कारोबार से प्राप्त होता है।भारत की जनता अब बार-बार सामने आने वाली ऐसी खबरों से केवल दुखी नहीं है; वह जवाब चाहती है। सवाल अब यह नहीं होना चाहिए कि अगली घटना के बाद कितने लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

यूएस ओपन में बेन शेल्टन ने किया बड़ा उलटफेर, सात बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्कराज को हराया

एजेंसी, न्यूयॉर्क

बेन शेल्टन ने बुधवार तड़के बड़ा उलटफेर करते हुए गत चैंपियन स्पेन के कार्लोस अल्कराज को पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में 6-7(5), 6-1, 6-3, 1-6, 7-6(10-7) से हराकर यूएस ओपन 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली। इसके साथ ही अमेरिकी खिलाड़ी ने फ्रांसेस टियाफोए के खिलाफ ऑल-अमेरिकन सेमीफाइनल तय कर दिया। शेल्टन और अल्कराज के बीच मुकाबला चार घंटे 28 मिनट चला और टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे देर से समाप्त होने वाला मुकाबला बन गया। मैच मंगलवार रात 11 बजकर पांच मिनट पर शुरू हुआ और बुधवार सुबह 3 बजकर 33 मिनट पर समाप्त हुआ।

सात बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्कराज का ग्रैंड स्लैम मुकाबलों में अमेरिकी पुरुष खिलाड़ियों के खिलाफ रिकॉर्ड 13-0 था, लेकिन शेल्टन ने इस सिलसिले को तोड़ दिया। स्पेनिश खिलाड़ी ने पहला सेट कड़े टाईब्रेक में जीतकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन दूसरे सेट में उनकी गलतियों का फायदा उठाते हुए शेल्टन ने 6-1 से सेट अपने नाम कर लिया। शेल्टन ने तीसरा सेट 6-3 से जीतकर मुकाबले में बढ़त बना ली। हालांकि, करीब पांच महीने बाद कलाई की चोट से वापसी कर रहे अल्कराज ने चौथे सेट में शानदार वापसी की और 6-1 से सेट जीतकर मुकाबला निर्णायक पांचवें सेट में पहुंचा दिया।

निर्णायक सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। अल्कराज ने ब्रेक के दौरान तौलिये में उल्टी भी की, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने शेल्टन को कड़ी चुनौती दी। दोनों खिलाड़ी 12 गेम तक बराबरी पर रहे और अंत में शेल्टन ने मैच टाईब्रेक में 10-7 से जीत दर्ज कर बड़ा उलटफेर कर दिया। शेल्टन की जीत से यूएस ओपन में अमेरिकी पुरुष टेनिस के लिए उम्मीदें बढ़ गई हैं। सेमीफाइनल में उनका सामना हमवतन फ्रांसेस टियाफोए से होगा, जिन्होंने इससे पहले एलेक्स माइकलसन को पांच सेटों में हराकर अंतिम चार में जगह बनाई थी। अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी ने आखिरी बार 2003 में एंडी रॉडिक के जरिये फ्लशिंग मीडोज में ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। अब शेल्टन और टियाफोए की भिड़ंत से घरेलू प्रशंसकों की 23 साल से चले आ रहे इंतजार को खत्म करने की उम्मीदें फिर मजबूत हुई हैं।

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए भारत ए टीम घोषित, देवदत्त पडिक्कल और गायकवाड़ को मिली कप्तानी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की पुरुष चयन समिति ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ आगामी घरेलू सीरीज के लिए भारतीय ए टीम की घोषणा कर दी है। पुडुचेरी में होने वाली इस सीरीज में दो बहुदिवसीय और तीन एकदिवसीय मुकाबले खेले जाएंगे। बहुदिवसीय मुकाबलों के लिए भारत ए टीम में अमन मोखाड़े, आयुष पांडे, देवदत्त पडिक्कल (कप्तान), साई सुदर्शन (उपकप्तान), यश राठौड़, शेख रशीद, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुश कोटियन, तुषार देशपांडे, अंशुल कंबोज, प्रफुल हिंगे, एन जगदीशन (विकेटकीपर), नचिकेत भुटे और वी. व्यासक को शामिल किया गया है। एकदिवसीय टीम की कप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ को सौंपी गई है, जबकि देवदत्त पडिक्कल उपकप्तान होंगे। टीम में प्रियंश आर्या, साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), निशांत सिंधु, विप्रज निगम, अर्शिन कुलकर्णी, अर्शद खान, नमन धीर, हार्दिक पांड्या, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), गुरजपनीत सिंह और यश ठाकुर शामिल हैं। हार्दिक पांड्या और वी. व्यासक का चयन फिटनेस क्लीयरेंस के अधीन है। भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच पहला बहुदिवसीय मुकाबला 22 से 25 सितंबर तक पुडुचेरी में खेला जाएगा। दूसरा बहुदिवसीय मैच 29 सितंबर से 2 अक्टूबर तक होगा। इसके बाद तीन एकदिवसीय मुकाबले 6, 9 और 11 अक्टूबर को पुडुचेरी में खेले जाएंगे।

भारत ए बहुदिवसीय टीमः अमन मोखाड़े, आयुष पांडे, देवदत्त पडिक्कल (कप्तान), साई सुदर्शन (उपकप्तान), यश राठौड़, शेख रशीद, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुश कोटियन, तुषार देशपांडे, अंशुल कंबोज, प्रफुल हिंगे, एन जगदीशन (विकेटकीपर), नचिकेत भुटे, वी. व्यासक।

भारत ए एकदिवसीय टीमः प्रियांश आर्या, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल (उपकप्तान), ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), रजत पाटीदार, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), निशांत सिंधु, विप्रज निगम, अर्शिन कुलकर्णी, अर्शद खान, नमन धीर, हार्दिक पांड्या, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), गुरजपनीत सिंह, यश ठाकुर।

इमरान के समर्थन में उतरे अकरम , बिगड़ती सेहत पर चिन्ता जतायी

एजेंसी, लाहौर

दुनिया भर के शीर्ष क्रिकेटरों के आवाज उठाने के बाद अब पाकिस्तानी खिलाड़ी भी जेल में बंद पूर्व कप्तान इमरान खान के समर्थन में सामने आने लगे हैं इसी कड़ी में अब पाक के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने इमरान की बिगड़ती सेहत पर चिन्ता जतायी है। अकरम ने भावुक होते हुए कहा कि उन्हें इमरान की बहुत याद आती है साथ ही कहा कि उनकी सेहत के मामले में किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। अकरम ने कहा कि उनकी पिछले तीन साल से इमरान से बात तक नहीं हो पायी है। उन्होंने कहा कि इमरान के साथ राजनीतिक तौर पर जो कुछ हो रहा है वह सही नहीं है। उनपर जो मामले हैं उन्हें अदालत देख रही है पर जहां तक इमरान की व्यक्तिगत सेहत का सवाल है, उसमें कोई समझौता नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि पाकिस्तान को 1992 विश्व कप जिताने वाले कप्तान इमरान खान को भ्रष्टाचार के कई मामलों में दोषी ठहराया गया है और वे साल 2022 से ही जेल में बंद हैं। हालांकि इमरान लगातार अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार करते रहे हैं। पाक में सरकार के डर से अब तक कुछ ही पूर्व क्रिकेटर उनके समर्थन में सामने आये हैं पर अब ये संख्या बढ़ रही है। पिछले सप्ताह, वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा ने भी इमरान को उचित चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने की मांग करने वाले पूर्व अंतरराष्ट्रीय कप्तानों की मुहिम में शामिल हुए थे।

रॉकबाल खेल में बांदा के खिलाड़ियों ने किया दमदार प्रदर्शन, यूपी टीम बनी राष्ट्रीय उपविजेता

एजेंसी, बांदा

रॉकबाल के खेल में बांदा ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान दर्ज कराई है। तेलंगाना के मेडक जिले में 6 से 8 सितंबर तक आयोजित 10वीं सीनियर राष्ट्रीय रॉकबाल चैंपियनशिप में भागवत प्रसाद मेमोरियल एकेडमी, बांदा के खिलाड़ियों के खेल से उत्तर प्रदेश की टीम ने प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया और राष्ट्रीय स्तर पर उपविजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश की टीम ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान बेहतरीन खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का परिचय दिया। टीम के खिलाड़ियों ने विभिन्न मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में भागवत प्रसाद मेमोरियल एकेडमी, बांदा के खिलाड़ियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह टीम बांदा मिनी ओलम्पिक में प्रतिभाग करने के बाद राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए रवाना हुई थी। बांदा मिनी ओलम्पिक के माध्यम से खिलाड़ियों को मिले प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव का लाभ राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भी देखने को मिला। राष्ट्रीय उपविजेता उत्तर प्रदेश टीम में भागवत प्रसाद मेमोरियल एकेडमी, बां दा के खिलाड़ियों ने प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। टीम में शामिल प्रमुख खिलाड़ी हैं।रिजवान खान कप्तान,इरफान खान,सोहेल नसरत खान,आफताब खान,आकाश कुमार,हर्ष वर्धन शामिल है। इन खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन ने न केवल अपनी एकेडमी बल्कि पूरे बांदा जनपद का गौरव बढ़ाया है। एकेडमी के संचालक अंकित कुशवाहा ने बताया कि खिलाड़ी निरंतर अभ्यास और मेहनत के बल पर लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस उपलब्धि पर जिला ओलंपिक एसोसिएशन बांदा के प्रेसिडेंट रामेंद्र शर्मा, महासचिव डा. इन्द्रवीर सिंह, मीडिया प्रभारी सुनील सक्सेना, जिला वालीबाल एसोसिएशन बांदा के सचिव शिवकुमार गुप्ता, संयुक्त सचिव महेश प्रसाद गर्ग, जिला कबड्डी एसोसिएशन बाँदा के अध्यक्ष अंकित कुशवाहा, सचिव कमल सिंह यादव, रामकुमार यादव, मध्य प्रदेश वालीबाल रेफरी बोर्ड के टेक्निकल चेयरमैन रमेश बाबू विद्यार्थी, पूर्व जिला क्रीड़ा अधिकारी सबल सिंह, नरेन्द्र पाठक, प्रमोद कुमार, विक्रम कुमार, राहुल शुक्ला, शिवप्रताप सिंह चंदेल तथा आदर्श बजरंग इंटर कॉलेज के खेल शिक्षक रमेश चंद्र ने उत्तर प्रदेश टीम के सभी खिलाड़ियों, कोच एवं भागवत प्रसाद मेमोरियल एकेडमी की पूरी टीम को हार्दिक बधाई दी है।

बिजनेस

निसान मोटर इंडिया ने दिल्ली-एनसीआर में किया नेटवर्क का विस्तार, मथुरा रोड पर खुला नया शोरूम

एजेंसी, नई दिल्ली

वाहन निर्माता कंपनी निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने बुधवार को मथुरा रोड पर अत्याधुनिक ब्राइट निसान शोरूम का उद्घाटन करके दिल्ली-एनसीआर में अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। इस मौके पर निसान मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक सौरभ वत्स ने कहा, 'निसान में हमारे हर कदम के केंद्र में ग्राहक होते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली-एनीसआर के ग्राहकों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण लोकेशन पर यह नया शोरूम खोला गया है, जिससे इस प्रमुख ऑटोमोटिव मार्केट में निसान की मौजूदगी मजूबत होगी। उन्होंने कहा कि यह कदम पूरे भारत के प्रमुख बाजारों में ग्राहकों तक पहुंचने एवं उन्हें बेहतरीन अनुभव देने की दिशा में निसान इंडिया के मौजूदा प्रयासों के अनुरूप है। निसान मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक ने कहा कि यह आधुनिक शोरूम 7 हजार वर्ग फीट में बना है और यहां 8 कारें डिस्प्ले करने की क्षमता है। यह नेटवर्क विस्तार की निसान इंडिया की प्रतिबद्धता के तहत सितंबर में दिल्ली-एनसीआर में खोले जा रहे 13 नए टचपॉइंट्स में से एक है। वत्स ने आगे कहा कि इस अत्याधुनिक आउटलेट में उच्च गुणवत्ता की सुविधाएं दी गई हैं और जानकार, प्रशिक्षित एवं उत्साही सेल्स एंड सर्विस प्रोफेशनल्स नियुक्त किए गए हैं। यह आउटलेट ग्राहकों को प्रीमियम ऑनरशिप एक्सपीरियंस एवं शानदार ग्राहक वैल्यू देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि हम अपने लोगों, भागीदारों, नेटवर्क, डाटा क्षमताओं और ग्राहकों से सीधे जुड़ने वाला प्लेटफॉर्म में लगातार निवेश कर रहे हैं, जिससे निसान के बेहतरीन सेल्स एवं सर्विस के वादे को पूरा किया जा सके। इस सेगमेंट में 57 फीसदी की बाजार हिस्सेदारी रखने वाली तीन कार लाइन के साथ ग्राहकों को केंद्र में रखने वाले इस नेटवर्क से भारत में निसान के विकास को गति मिलेगी। सौरभ वत्स ने कहा कि भारत में अपने कारोबार को विस्तार देने के क्रम में निसान ने दिल्ली-एनसीआर में नेटवर्क को करीब दोगुना करते हुए 24 टचपॉइंट्स तक पहुंचा दिया है, इससे पूरे क्षेत्र में ग्राहकों का अनुभव बेहतर होगा और निसान की गाड़ियों तक पहुंच आसान होगी। ब्राइट निसान के डीलर प्रिंसिपल प्रशांत लूथरा ने बताया, 'मथुरा रोड पर नए शोरूम खोलकर दिल्ली-एनसीआर में ब्रांड की मौजूदगी बढ़ाने के लिए निसान मोटर इंडिया के साथ साझेदारी करने का हमें गर्व है। यह डीलरशिप ग्राहकों को विश्व स्तरीय रिटेल एवं सर्विस एक्सपीरियंस देने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिसे निसान के मजबूत प्रोडक्ट पोर्टफोलियो एवं ग्राहकों को प्राथमिकता देने की रणनीति से मदद मिली है। हम बेहतरीन सेल्स एवं आफ्टर-सेल्स सपोर्ट के साथ दिल्ली एनसीआर के ग्राहकों को सर्विस देने के लिए तैयार हैं।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में आज लगातार भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 1,120 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 1,420 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,540 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की बढ़ोतरी हो गई है। भाव में बदलाव होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,55,360 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,42,410 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला एलसीसी प्रोजेक्ट्स का आईपीओ, पहले दिन ही हुआ फुली सब्सक्राइब

एजेंसी, नई दिल्ली

सिंचाई और वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट्स के लिए इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन सर्विस देने वाली कंपनी एलसीसी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड का 427.14 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 11 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 15 सितंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 16 सितंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 17 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद शाम 3:45 बजे तक यह आईपीओ 1.19 गुना सब्सक्राइब हो चुका था।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 139 रुपये से लेकर 146 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 102 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 102 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,892 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,93,596 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 1,326 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 5 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2,92,56,232 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इनमें लगभग 258 करोड़ रुपये के 1,76,71,232 नए शेयर जारी किये जा रहे हैं, जबकि लगभग 169 करोड़ रुपये के 1,15,85,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है।

इस इश्यू के लिए मोतीलाल ओसवाल इनवेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। एलसीसी प्रोजेक्ट्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत बनी रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 122 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 223.63 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 286.44 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 2,449.79 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 2,941.01 करोड़ रुपये और 2025-26 में उछल कर 3,639.45 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ भी लगातार बढ़ता चला गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 422.30 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 649.55 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अगले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस वित्त वर्ष के दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ उछल कर 860.65 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

घर के फर्नीचर किराये पर देने वाली कंपनी का आईपीओ लॉन्च, दिन खत्म होने के पहले ही हो गया फुली सब्सक्राइब

एजेंसी, नई दिल्ली

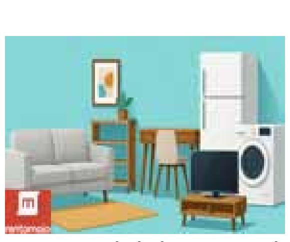

अपने ग्राहकों को घर के फर्नीचर और अप्लायंसेज किराये पर देने वाली कंपनी रेंटोमोजो का 1,255.57 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 11 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 15 सितंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 16 सितंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 17 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद शाम 3:30 बजे तक यह आईपीओ 1.08 गुना सब्सक्राइब हो चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 384 रुपये से लेकर 404 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 37 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 37 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,948 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,94,324 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 481 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 3,10,80,978 शेयर जारी किए जा रहे हैं। इनमें लगभग 150 करोड़ रुपये के 37,15,449 नए शेयर जारी किये जा रहे हैं, जबकि लगभग 1,106 करोड़ रुपये के 2,73,65,529 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 49.92 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 34.94 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.97 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा कंपनी के एंप्लॉयीज के लिए भी 0.17 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है।

एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी का आईपीओ लॉन्च, 11 सितंबर तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी, नई दिल्ली। बैंकों के एनपीए का निपटारा करने, एनपीए के एवज में धरोहर रखी गई परिसंपत्तियों का निपटारा कर कर्ज का पुनर्गठन कराने जैसा काम करने वाली कंपनी एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (इंडिया) लिमिटेड (आर्सिल) का 732.97 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 11 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 15 सितंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 16 सितंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 17 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद शाम तीन बजे तक यह आईपीओ 30 प्रतिशत सब्सक्राइब हो चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 132 रुपये से लेकर 139 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 107 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 107 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,873 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,93,349 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 1,391 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 5,27,31,946 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है।

बीओसीडब्ल्यू पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 11 सितंबर से मुंबई में, डॉ. मांडविया करेंगे अध्यक्षता

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया भवन और अन्य निर्माण श्रमिकों (बीओसीडब्ल्यू) पर 11-12 सितंबर को मुंबई में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। दो दिवसीय इस सम्मेलन में केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और बीओसीडब्ल्यू कल्याण बोर्ड एक साथ आएंगे। इस दो दिवसीय सम्मेलन में पिछले साल नवंबर में नई दिल्ली में हुए राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन में शुरू की गई तीन प्रमुख पहलों, राज्य श्रम निगम कार्यालय (बीओसीडब्ल्यू) डिजिटल लेबर चौक, लेबर चौक-सह-सुविधा केंद्र और ऑनलाइन बीओसीडब्ल्यू उपकर संग्रह पोर्टल पर हुई प्रगति की समीक्षा की जाएगी। इन पहलों का उद्देश्य रोजगार सुविधा को सुदृढ़ करना, अधिक सम्मानजनक और सुलभ श्रमिक-केंद्रित सेवाएं प्रदान करना और उपकर संग्रह एवं निगरानी में पारदर्शिता और दक्षता में सुधार करना है। साथ ही वे बेहतरीन तौर-तरीके साझा करेंगे, केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों और कल्याण बोर्डों के बीच तालमेल को मजबूत करेंगे और निर्माण श्रमिकों तक सामाजिक सुरक्षा, कल्याणकारी योजनाओं और रोज़गार के मौकों को बेहतर ढंग से पहुंचाने के लिए भी प्राथमिकता वाले कदम तय करेंगे। सम्मेलन में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के श्रम मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी, बीओसीडब्ल्यू कल्याण बोर्डों के अध्यक्ष और सचिव तथा केंद्र एवं राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे।

सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 20 में नजर आएंगी अरिश्फा खान, बाल कलाकार से सोशल मीडिया सितारा बनने तक का सफर

सलमान खान के लोकप्रिय रियलिटी शो 'बिग बॉस 20 में सोशल मीडिया स्टार और अभिनेत्री अरिश्फा खान ने प्रतियोगी के तौर पर प्रवेश किया है। 23 वर्षीय अरिश्फा शो की सबसे कम उम्र की प्रतियोगियों में शामिल हैं। उन्होंने बेहद कम उम्र में अभिनय की दुनिया में कदम रख दिया था और पिछले एक दशक से अधिक समय से मनोरंजन उद्योग का हिस्सा हैं। टेलीविजन से शुरुआत करने वाली अरिश्फा ने बाद में सामाजिक माध्यमों पर भी अपनी मजबूत पहचान बनाई। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर की रहने वाली अरिश्फा खान ने वर्ष 2012 में धारावाहिक 'छल-शह और मात से अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्हें 'एक वीर की अरदास वीरा में छोटी गुंजन की भूमिका निभाने का मौका मिला। इस किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। उनकी मासूम अदाकारी को दर्शकों ने पसंद किया और वह कम उम्र में ही टेलीविजन की चर्चित बाल कलाकारों में शामिल हो गईं। इसके बाद अरिश्फा ने 'जीनी और जूजू, 'उतरन, 'ये है मोहब्बतें, 'गंगा, 'मेरी दुर्गा और 'पापा बाय चांस जैसे कई धारावाहिकों में काम किया। वह 'क्राइम पेट्रोल के कुछ एपिसोड में भी नजर आईं। इसके अलावा उन्होंने कई विज्ञापनों में भी अभिनय किया है। टेलीविजन से पहचान बनाने के बाद अरिश्फा खान की लोकप्रियता को सामाजिक माध्यमों ने नई ऊंचाई दी। टिकटॉक के दौर में वह काफी लोकप्रिय हुईं। इसके बाद उन्होंने इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। अरिश्फा के इंस्टाग्राम पर 2.9 करोड़ से अधिक अनुयायी हैं। उनके सामाजिक माध्यमों पर साझा किए जाने वाले वीडियो और तस्वीरों में फैशन, सौंदर्य, जीवनशैली और मनोरंजन से जुड़ी सामग्री देखने को मिलती है। टेलीविजन के अनुभव और सामाजिक माध्यमों पर बड़ी प्रशंसक संख्या ने उन्हें युवा दर्शकों के बीच खास पहचान दिलाई है। अरिश्फा खान अभिनय के साथ-साथ संगीत वीडियो में भी नजर आ चुकी हैं। वह 'यारा 2 और 'तेरी बातें मुलाकातें जैसे संगीत वीडियो का हिस्सा रही हैं। इस तरह बाल कलाकार के रूप में शुरू हुआ उनका सफर टेलीविजन, विज्ञापनों, संगीत वीडियो और सामाजिक माध्यमों तक पहुंचा है। अब 'बिग बॉस 20 में उनकी भागीदारी उनके करियर का एक नया पड़ाव मानी जा रही है। टेलीविजन का लंबा अनुभव और सामाजिक माध्यमों पर उनकी बड़ी लोकप्रियता उन्हें शो के अन्य प्रतियोगियों से अलग पहचान देती है। दर्शकों की नजर इस बात पर रहेगी कि अरिश्फा घर के भीतर अपने व्यक्तित्व और रणनीति से किस तरह की छाप छोड़ती हैं।

'मिर्जापुर द मूवी' के सेट पर रहता था इंटिमेसी को ऑर्डिनेटर : रसिका दुग्गल

बॉलीवुड फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' में इंटिमेट सीन करने वाली अभिनेत्री रसिका दुग्गल आजकल चर्चा में हैं। फिल्म में इंटिमेट सीन को लेकर अभिनेत्री ने बताया कि ऐसे संवेदनशील दृश्यों की शूटिंग के दौरान सेट पर इंटिमेसी कोऑर्डिनेटर की मौजूदगी कलाकारों को सहज महसूस कराने में अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने इसकी तुलना डांस और एक्शन सीक्वेंस से की, जहां कलाकारों की मदद के लिए कोरियोग्राफर और फाइट मास्टर मौजूद रहते हैं। रसिका ने कहा कि इंटिमेट सीन शूट करते समय इंटिमेसी कोऑर्डिनेटर इसलिए जरूरी हैं, ताकि किसी भी कलाकार के साथ किसी तरह की जबरदस्ती न हो और उसकी सहमति, सहजता तथा परेशानियों का पूरा ध्यान रखा जा सके। उनके मुताबिक, जिस तरह डांस सीक्वेंस को व्यवस्थित तरीके से फिल्माने के लिए कोरियोग्राफर और एक्शन दृश्यों के लिए फाइट मास्टर होते हैं, उसी तरह इंटिमेसी सीन के लिए भी कोऑर्डिनेटर की भूमिका महत्वपूर्ण है। रसिका ने बताया कि ऐसे दृश्यों की शूटिंग से पहले वर्कशॉप आयोजित की जाती हैं। इनमें कलाकारों की सहजता और उनकी सीमाओं को समझने के साथ निर्देशक की जरूरत पर भी चर्चा होती है। यह तय किया जाता है कि सीन को कलाकारों की सुविधा के मुताबिक किस तरह फिल्माया जाए। यदि किसी कलाकार को सीन के किसी हिस्से को लेकर असहजता होती है तो इंटिमेसी कोऑर्डिनेटर उसकी बात सुनकर समाधान तलाशते हैं और शूटिंग को सहज बनाने की कोशिश करते हैं। अभिनेत्री के मुताबिक, अब कलाकारों को पहले से पता होता है कि सेट पर किस तरह का सीन फिल्माया जाना है। जरूरत पड़ने पर वे क्लोज्ड सेट की मांग भी कर सकते हैं। इसका मतलब है कि शूटिंग के दौरान केवल वही लोग मौजूद रहें, जिनकी उस सीन के लिए आवश्यकता है। रसिका ने कहा कि पहले कलाकारों के पास अपनी असहजता या जरूरत बताने के लिए ऐसी स्पष्ट व्यवस्था नहीं होती थी। अब इंटिमेसी कोऑर्डिनेटर इस जिम्मेदारी को निभाते हैं। 'मिर्जापुर द मूवी' में रसिका के अभिनय की तारीफ हो रही है।

अंडरवर्ल्ड के आगे झुकने बजाय डटकर खडे रहे शाहरुख खान

बॉलीवुड में एक दौर था जब फिल्म निर्माताओं से लेकर कलाकारों और गायकों तक को अंडरवर्ल्ड से धमकियां मिलते रहती थी। उस दौरान बॉलीवुड फिल्मों की फंडिंग, कलाकारों की कास्टिंग और दूसरे फैसलों में भी अंडरवर्ल्ड के हस्तक्षेप की बातें सामने आती रही हैं। यही वजह दौर था जब अभिनेता शाहरुख खान को भी धमकियों का सामना करना पड़ा था, लेकिन उन्होंने डरकर पीछे हटने के बजाय अपने सिद्धांतों पर कायम रहना पसंद किया। फिल्म निर्माता संजय गुप्ता ने एक पॉडकास्ट पर उस दौर से जुड़ा एक किस्सा साझा किया है। उन्होंने शाहरुख खान की तारीफ करते हुए कहा कि बॉलीवुड के किंग वास्तव में किंग हैं। संजय गुप्ता के मुताबिक, शाहरुख अपने उसूलों को लेकर इतने स्पष्ट हैं कि वह किसी के सामने झुकने को तैयार नहीं होते। उन्होंने बताया कि जब अभिनेता को धमकी दी गई थी, तब भी उन्होंने दबाव में आने से साफ इनकार कर दिया था।

संजय गुप्ता के अनुसार, शाहरुख खान ने धमकी देने वालों को स्पष्ट शब्दों में जवाब दिया था कि वह उनके साथ काम नहीं करेंगे और न ही उनके लिए कोई शो करेंगे। अभिनेता ने कथित तौर पर कहा था, ''मैं पठान हूं, अगर गोली मारनी है तो मार दो। लेकिन मैं तुम्हारे साथ काम नहीं करूंगा और न ही तुम्हारे लिए शो करूंगा।'' संजय गुप्ता ने कहा कि शाहरुख का यह बेखौफ रवैया देखकर धमकी देने वाले लोग भी आखिरकार उनका सम्मान करने लगे। उन्हें शायद यह महसूस हुआ कि फिल्म उद्योग में कम से कम एक ऐसा व्यक्ति है, जो डरकर उनके सामने झुकने के लिए तैयार नहीं है। हालांकि, इस बेबाक रवैये की कीमत भी शाहरुख खान को चुकानी पड़ी।

संजय गुप्ता के मुताबिक, अभिनेता को मिल रही धमकियों को गंभीरता से लिया गया और उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी।

रवि तेजा के भतीजे माधव की पहली फिल्म 'मारेम्मा को मिला 'ए प्रमाणपत्र, 10 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

अभिनेता रवि तेजा के भतीजे माधव भूपतिराजू की पहली फिल्म 'मारेम्मा रिलीज से पहले ही चर्चा में है। फिल्म की सेंसर संबंधी सभी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की ओर से इसे 'ए प्रमाणपत्र दिया गया है। निर्माताओं ने इसकी पुष्टि करते हुए फिल्म का नया पोस्टर भी जारी किया है, जिसमें माधव भूपतिराजू दमदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। फिल्म 10 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। 'मारेम्मा इसलिए भी दर्शकों का ध्यान खींच रही है क्योंकि यह माधव भूपतिराजू की पहली फिल्म है और वह लोकप्रिय अभिनेता रवि तेजा के भतीजे हैं। फिल्म के टीजर और ट्रेलर को सामाजिक माध्यमों पर अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। फिल्म का निर्देशन मंचला नागराज ने किया है। फिल्म को 'ए प्रमाणपत्र मिलने के बाद निर्माताओं ने नया पोस्टर जारी कर इसकी जानकारी दी। पोस्टर में माधव का प्रभावशाली और गंभीर अंदाज देखने को मिल रहा है। इससे फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। कुछ दिन पहले आयोजित फिल्म के रिलीज से पहले के कार्यक्रम में रवि तेजा भी शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने फिल्म की तारीफ करते हुए कहा था कि उन्हें 'मारेम्मा काफी पसंद आई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दर्शक भी माधव भूपतिराजू और फिल्म को पसंद करेंगे। फिल्म में दीपा बालू मुख्य अभिनेत्री की भूमिका में हैं। इसके अलावा विकास वशिष्ठ, दयानंद रेड्डी और वी.एस. रूपा लक्ष्मी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। 'मारेम्मा का निर्माण मोक्ष आर्ट्स के बैनर तले मयूर रेड्डी बंदारू ने किया है। फिल्म का संगीत प्रशांत आर. विहारी ने तैयार किया है, जबकि प्रशांत अंकीरेड्डी ने छायांकन की जिम्मेदारी संभाली है। माधव भूपतिराजू की पहली फिल्म होने के कारण 'मारेम्मा को लेकर दर्शकों और फिल्म उद्योग की नजरें बनी हुई हैं। अब 'ए प्रमाणपत्र के साथ फिल्म 10 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

'कांटे' में गाली-गलोज करने से अमिताभ ने कर दिया था इंकारः संजय गुप्ता

बॉलीवुड की एक्शन-क्राइम थ्रिलर फिल्म 'कांटे' में महानायक अमिताभ बच्चन, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, लकी अली, महेश मांजरेकर और कुमार गौरव जैसे कलाकार एक साथ नजर आए थे। वर्ष 2002 में रिलीज हुई यह फिल्म आज भी अपने दमदार कलाकारों, एक्शन, संवाद और संगीत के लिए याद की जाती है। अब फिल्म के निर्देशक संजय गुप्ता ने 'कांटे' से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा किया है। उन्होंने बताया कि फिल्म की मूल पटकथा में गाली-गलौज वाले कई संवाद लिखे गए थे, लेकिन अमिताभ बच्चन ने साफ कर दिया था कि उनका किरदार पर्दे पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल नहीं करेगा। संजय गुप्ता ने बताया कि अमिताभ बच्चन ने फिल्म की शूटिंग के दौरान उनसे स्पष्ट शब्दों में कहा था कि वह ऑनस्क्रीन गाली-गलौज नहीं करेंगे। अभिनेता का कहना था कि उन्होंने अपने पूरे करियर में पर्दे पर इस तरह की भाषा का इस्तेमाल नहीं किया है और 'कांटे' में भी वह अपने इस सिद्धांत से समझौता नहीं करेंगे। संजय गुप्ता ने उनकी बात को तुरंत स्वीकार कर लिया। निर्देशक ने हालांकि यह भी स्पष्ट किया कि अमिताभ बच्चन की शर्त केवल उनके किरदार को लेकर थी। उन्होंने अभिनेता से कहा कि यदि कहानी की जरूरत के मुताबिक फिल्म के दूसरे किरदार एक-दूसरे को गालियां देते हैं, तो उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं होगी। अमिताभ बच्चन ने भी इस बात पर सहमति जताई थी। संजय गुप्ता के मुताबिक, मूल पटकथा में गालियां मौजूद थीं, लेकिन अमिताभ बच्चन के किरदार के संवादों में उनका इस्तेमाल नहीं किया गया। फिल्म की सेंसर प्रक्रिया के दौरान भी कुछ आपत्तिजनक शब्दों और संवादों में बदलाव किए गए थे। निर्देशक ने बताया कि सेंसर बोर्ड की स्क्रीनिंग के समय कुछ हिस्सों को लेकर फेरबदल किया गया, जिसके बाद फिल्म को अंतिम रूप दिया गया। 20 दिसंबर 2002 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'कांटे' की कहानी लॉस एंजिल्स में रहने वाले छह भारतीय अपराधियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक बैंक डकैती को अंजाम देने के लिए एक साथ आते हैं। फिल्म में अमिताभ बच्चन, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, लकी अली, महेश मांजरेकर और कुमार गौरव की जोड़ी ने दर्शकों का ध्यान खींचा था।

सुमनथ की 'महेंद्रगिरि वाराही को मिला यू/ए प्रमाणपत्र

11 सितंबर को होगी रिलीज

अलग-अलग तरह के किरदारों और फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले अभिनेता सुमनथ अब एक नई और रोमांचक फिल्म 'महेंद्रगिरि वाराही के साथ दर्शकों के बीच आने के लिए तैयार हैं। संतोष जगारलापुडी के निर्देशन में बनी यह फिल्म आध्यात्मिक रोमांचक कथा पर आधारित है। फिल्म 11 सितंबर 2026 को बड़े स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म से जुड़ी ताजा जानकारी के अनुसार, 'महेंद्रगिरि वाराही की सेंसर संबंधी सभी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने फिल्म को 'यू/ए प्रमाणपत्र दिया है। निर्माताओं ने इसकी पुष्टि करते हुए प्रमाणपत्र के साथ फिल्म का नया पोस्टर भी जारी किया है।

पोस्टर में सुमनथ गंभीर और प्रभावशाली अंदाज में नजर आ रहे हैं। उनके पीछे वाराही की विशाल मूर्ति दिखाई दे रही है, जो फिल्म की आध्यात्मिक और रहस्यमय पृष्ठभूमि की ओर संकेत करती है। पोस्टर सामने आने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। 'महेंद्रगिरि वाराही में सुमनथ मुख्य भूमिका में हैं। ऐश्वर्या राजेश और मालविका नायर फिल्म की प्रमुख महिला भूमिकाओं में नजर आएंगी। इनके अलावा मीनाक्षी गोस्वामी, ब्रह्मानंदम, वेन्नेला किशोर, राजीव कनकला और अली भी महत्वपूर्ण किरदार निभाते दिखाई देंगे। फिल्म के प्रचार अभियान, टीजर और ट्रेलर को दर्शकों की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। फिल्म की कहानी, कलाकारों के किरदार और आध्यात्मिक पृष्ठभूमि ने इसे रिलीज से पहले ही चर्चा में ला दिया है। 'महेंद्रगिरि वाराही का निर्माण राजश्यामला एंटरटेनमेंट्स और ब्रिज फिल्म्स के बैनर तले कलिपु मधु और लक्ष्मण कर रहे हैं। फिल्म को बड़े स्तर पर दर्शकों तक पहुंचाने की तैयारी की जा रही है। सुमनथ की अलग तरह की भूमिकाओं के लिए पहचानी जाने वाली छवि और फिल्म की आध्यात्मिक-रोमांचक कहानी को देखते हुए 'महेंद्रगिरि वाराही से दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं। अब सेंसर प्रमाणपत्र मिलने के बाद फिल्म 11 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

लैपटॉप, मोबाइल और टीवी जैसे उपकरणों को साफ करने के लिए अपनाएं ये तरीके

आजकल हमारे जीवन में तकनीकी उपकरणों का बड़ा महत्व है। चाहे वह मोबाइल हो, लैपटॉप हो या टीवी, इनकी सफाई और देखभाल करना जरूरी है। सही तरीके से सफाई करने से न केवल ये उपकरण ज्यादा समय तक चलते हैं, बल्कि इनकी कार्यक्षमता भी बनी रहती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और असरदार तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने उपकरणों को सुरक्षित और साफ रख सकते हैं। लैपटॉप की सफाई करते समय सबसे पहले उसे बंद करें और बिजली का कनेक्शन हटा दें। कीबोर्ड के बीच जमा धूल हटाने के लिए एक छोटा ब्रश या मुलायम ब्रश का उपयोग करें। स्क्रीन को साफ करने के लिए एक सैनिटाइजर वाइप का इस्तेमाल करें और इससे स्क्रीन को हल्के हाथ से पोंछें। लैपटॉप के बाहरी हिस्से को भी साफ करें और फिर एक सूखे कपड़े से उसे अच्छी तरह पोंछ लें। मोबाइल फोन की सफाई से पहले उसे बंद कर दें। इसके बाद एक सूती कपड़ा या मुलायम कपड़ा लें और उसे हल्का गीला करें। इस कपड़े से फोन की स्क्रीन और बैक साइड को धीरे-धीरे साफ करें। ध्यान रखें कि पानी फोन के अंदर न जाए। अगर स्पीकर या चार्जिंग पोर्ट में धूल हो तो उसे हल्के ब्रश से साफ करें। स्क्रीन को चमकाने के लिए आप सूखे और साफ कपड़े का इस्तेमाल कर सकते हैं। टीवी की सफाई करते समय सबसे पहले उसे बंद करें और बिजली का कनेक्शन हटा दें। स्क्रीन को साफ करने के लिए एक मुलायम कपड़ा लें और उसे हल्के गीले कपड़े से पोंछें। ध्यान रखें कि स्क्रीन पर ज्यादा दबाव न डालें।

स्मार्ट स्पीकर को साफ करने का सही तरीका

स्मार्ट स्पीकर की सफाई करते समय सबसे पहले उसे बंद करें और बिजली का कनेक्शन हटा दें। स्पीकर के बाहरी हिस्सों को मुलायम कपड़े से पोंछें। अगर स्पीकर पर धूल जमी हो, तो उसे ब्रश से साफ करें। स्पीकर के जालीनुमा हिस्सों को साफ करते समय सावधानी बरतें ताकि अंदर कोई नुकसान न हो। स्पीकर को गीले कपड़े से साफ करने के बाद उसे सूखा कपड़ा लेकर सुखा लें। इस तरह से आपका स्पीकर लंबे समय तक नया जैसा दिखेगा।

टीवी के पीछे और किनारों में जमा धूल को हटाने के लिए ब्रश या हल्का वैक्यूम क्लीनर का उपयोग करें। गेमिंग कंसोल की सफाई करते समय सबसे पहले उसे बंद करें और बिजली का कनेक्शन हटा दें। कंसोल के बाहरी हिस्सों को सूती कपड़े से साफ करें। डिस्क स्लॉट और हवा पास होने वाले हिस्सों में जमा धूल को हटाने के लिए ब्रश का उपयोग करें। अगर कंसोल में डिस्क का उपयोग होता है तो डिस्क को हल्के गीले कपड़े से पोंछें और फिर सूखे कपड़े से अच्छी तरह साफ करें।

निर्देशक बनने के लिए चोपडा को झेलनी पडी थी पिता की नाराजगी

भारतीय सिनेमा के मशहूर फिल्मकार विधु विनोद चोपड़ा ने दर्शकों को कई यादगार कहानियां दी हैं। फिल्मकार ने 'परिंदा', '1942 : ए लव स्टोरी', 'मिशन कश्मीर', 'मुन्नाभाई एमबीबीएस', '3 इडियट्स' और '12वीं फेल' जैसी कई सुपर हिट फिल्मे बनाई है जिसे दर्शक आज भी देखना पसंद करते हैं। हालांकि इस मुकाम तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं था। निर्देशक बनने का सपना देखने पर उन्हें अपने पिता की नाराजगी तक झेलनी पड़ी थी। पिता का मानना था कि फिल्में बनाकर उनका भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता। उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए बताया था कि जब उन्होंने पिता से कहा कि वह फिल्में बनाना चाहते हैं, तो उन्होंने उन्हें थप्पड़ मार दिया था। पिता ने उनसे कहा था कि फिल्में बनाकर वह भूखे मरेंगे और मुंबई में कैसे रहेंगे। परिवार के पास उन्हें फिल्म स्कूल भेजने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं थे। ऐसे में चोपड़ा ने भारत सरकार की राष्ट्रीय छात्रवृत्ति हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने कश्मीर विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र ऑनर्स में शीर्ष स्थान हासिल किया और छात्रवृत्ति की राशि से पुणे के फिल्म संस्थान में दाखिला लिया। इसी दौरान उन्होंने लघु फिल्म 'मर्डर एट मंकी हिल' बनाई, जिसे राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। इसके बाद चोपड़ा ने 'एन एनकाउंटर विद फेसेस' नाम की डॉक्यूमेंट्री बनाई, जो भारत के गरीब और बेसहारा बच्चों की जिंदगी पर आधारित थी। वर्ष 1979 में यह डॉक्यूमेंट्री ऑस्कर के लिए नामांकित हुई। चोपड़ा ने जब यह खबर अपने पिता को बताई तो वह बेहद खुश हुए और उन्हें गले लगा लिया। लेकिन इसके तुरंत बाद पिता ने उनसे पूछा कि इससे पैसे कितने मिलेंगे। चोपड़ा ने बताया कि ऑस्कर नामांकन के लिए उन्हें कोई रकम नहीं मिलने वाली थी। इस किस्से से साफ होता है कि पिता की नाराजगी के पीछे दरअसल बेटे के भविष्य और आर्थिक सुरक्षा की चिंता थी। इसके बाद विधु विनोद चोपड़ा ने फिल्म जगत में लगातार मेहनत की। 'सजाए मौत' और 'खामोश' के बाद 1989 में आई 'परिंदा' ने उन्हें एक प्रभावशाली निर्देशक के रूप में स्थापित किया। इसके बाद '1942 : ए लव स्टोरी', 'करीब' और 'मिशन कश्मीर' जैसी फिल्मों से उनकी पहचान और मजबूत हुई।

In fight against malnutrition govt to promote dietary diversity, importance of protein rich foods

New Delhi, Agency : Stepping up the fight against malnutrition, which remains a significant health challenge, govt will take the message of dietary diversity and importance of "protein rich foods" in a child's diet - with special focus on children enrolled in around 14 lakh anganwadi centres - across the country, as part of its annual "Rashtriya Poshan Maah 2026". The month-long nutrition campaign will be launched on Sept 9 from Varanasi.

Women and child development (WCD) minister Annpurna Devi said this year's theme for the campaign "Hamari Anganwadi Hamari Jimmedari" seeks to place anganwadi centres at the heart of community-led action for nutrition and early childhood development.

One of the highlights of the Poshan Maah will be the 'Protein-Rich Foods' campaign. It is proposed to conduct awareness activities on protein-rich foods from plant and animal sources - pulses, legumes, nuts and seeds, milk and milk products, and eggs - demonstrating practical and affordable ways to add protein to daily diets.

In a statement, WCD ministry said the theme seeking to involve community members in each anganwadi will drive the accelerated constitution and operationalisation of anganwadi management committees to promote community oversight of nutrition services, as per guidelines issued in June.

This "all-women committee" will have seven members - supervisor associated with the anganwadi as its chairperson, an anganwadi worker as convener, an Asha worker, two mothers of enrolled children, a woman from a self-help group (SHG), NGO or civil society organisation, and a govt school teacher. The ministry highlighted that Supplementary Nutrition Programme (SNP) guidelines for the first time, define hot cooked meals and mandate SNP menu boards in anganwadis. The guidelines also recommend drastically reducing the use of added sugars and salt in supplementary nutrition.

BRIFF NEWS

Resolution doesn't endorse any specific map: MEA

New Delhi, Agency: India was among the 164 countries that voted in favour of UN General Assembly's Sept 4 resolution, "Correct the Map: Rebalancing Global Cartographic Representation and Promoting Equitable Representation of the World's Regions, Particularly Africa".

MEA said the resolution's purpose is to encourage the use of equal-area map projections that preserve the relative sizes of continental landmasses, and it neither adopts nor authenticates any particular world map, nor does it address political cartography, including international boundaries, disputed territories or place names.

SC rejects panel's plea for 6 more months to define Aravali hills & ranges

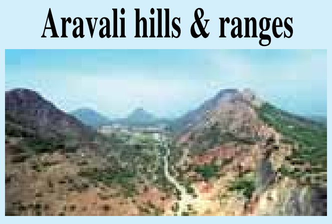

New Delhi, Agency: "Why don't you simply say that the matter be heard after my retirement," asked an exasperated CJI Surya Kant as a bench led by him outrightly declined a request from the high-powered committee for six more months' time to draft a comprehensive definition of Aravali hills and ranges to protect the eco-sensitive area from mining and various commercial activities and fixed a Nov 30 deadline for submission of the final report. Additional Solicitor General Aishwarya Bhati, appearing for HPC, told a bench of CJI, Justices Joymalya Bagchi and V Mohana that HPC would need six more months to file a detailed report, which would include completing public hearings and considering views of stakeholders.

Punjab govt de-addiction centre admissions rise 164% in a year

Chandigarh, Agency: Admissions to Punjab government-run de-addiction centres rose by more than 164 percent in a year, with 25,290 people admitted in 2025 compared with 9,577 in 2024, according to data released by the state government on Monday. The Punjab government said the figures indicate growing public confidence in its treatment and rehabilitation network under its anti-drug campaign, 'Yudh Nashean Virudh', launched in March 2025. More than 14,000 people had already been admitted to government de-addiction centres by July 2026. The government said the increase in admissions suggested that more individuals and families were approaching formal treatment instead of allowing stigma around addiction to prevent them from seeking help. Admissions to government rehabilitation centres also recorded a sharp increase, rising from 2,644 in 2024 to 8,574 in 2025 - a jump of more than 224 percent.

Passive smoking deaths up 50% since 1990: Lancet

New Delhi, Agency : Deaths linked to second-hand smoke in India have soared, surging almost 50% since 1990 and claiming 325,600 lives in 2023 alone. According to a study published in The Lancet Public Health Monday, India had the world's second-highest number of people exposed to second-hand smoke in 2023, after China, with 444 million Indians affected.

While India's age-standardised exposure prevalence declined from 43.2% to 30.6% over the last three decades, the absolute number of people exposed rose from 375 million in 1990 to 444 million in 2023, an increase of 18.4%. The health toll also rose sharply, with deaths attributable to second-hand smoke climbing from 217,700 to 325,600 during the same period. Fatalities among women rose from 113,400 to 156,900, while deaths among men from 104,300 to 168,700 over the same period. Second-hand smoke also accounted for 9.28 million disability-adjusted life-years (DALYs) in India in 2023, representing healthy years lost to premature death, illness or disability.

Dr G C Khilnani, chairperson of pulmonary, critical care at PSRI Hospital, said, "Second-hand smoke contributes not only to illness and disability but also to premature deaths and loss of healthy years. Kids and women are particularly vulnerable, with children's developing lungs making them more susceptible to respiratory issues. Smoking should be done outdoors, and greater public awareness is needed.

The study links second-hand smoke to ischaemic heart disease, stroke, lung cancer, chronic obstructive pulmonary disease, breast cancer, type 2 diabetes, asthma and lower respiratory infections. Among children, lower respiratory infections were the leading contributor to the disease burden. Globally, 2.71 billion people were exposed to second-hand smoke in 2023, contributing to 1.66 million deaths and 44.8 million DALYs. China, India and Indonesia accounted for nearly half of world's exposed population, with China recording 664 million exposed people.

Freight corridors to be finally operational fully after 2 decades

New Delhi, Agency: Nearly 20 years after the Dedicated Freight Corridor (DFC) project was approved, India's freight rail network linking eastern, northern and western regions will become fully operational Tuesday, when PM Narendra Modi inaugurates three remaining sections of Western Dedicated Freight Corridor (WDFC) today. WDFC connects Jawaharlal Nehru Port in Mumbai with Dadri in UP, where it intersects with Eastern Dedicated Freight Corridor (EDFC), completing the country's dedicated freight rail backbone.

On the eastern side, the DFC from Sonnangar in West Bengal to Ludhiana in Punjab is fully operational. Though EDFC was originally planned from Dankuni in West Bengal, a 538-km section from Dankuni to Sonnagar was descoped from the DFC project and multi-tracking of this part is now being carried out by railways.

KT Rama Rao, among BRS leaders booked for assaulting cops outside Telangana assembly

New Delhi, Agency: Telangana Police on Tuesday registered an FIR against BRS leaders KT Rama Rao, T Harish Rao, Gangula Kamalakar and others for allegedly obstructing and assaulting police officials outside the Telangana assembly.

According to the FIR, the leaders allegedly abused women constables, threatened staff and caught police officials by the collar. The FIR further said that the leaders tried to force entry despite security restrictions imposed on the Assembly Speaker's orders.

The case is booked under Sections 121(1), 132, 74, 79, 351, 352, 353 r/w 3(5) of the BNS. Investigation is on.

The FIR came after BRS legislators staged a protest against the Congress government, leading to a confrontation between opposition leaders and police personnel. Several BRS leaders, including KT Rama Rao and T Harish Rao, were detained. During the Assembly proceedings, Speaker Gaddam Prasad Kumar broke down while recounting the alleged remarks and the circumstances surrounding the incident. The episode drew strong reactions from ruling party members, who demanded action against BRS MLC Tata Madhu.

Company can be punished for offence carrying imprisonment, term can be replaced by fine: Supreme Court

New Delhi, Agency: A company having no physical body cannot be imprisoned and having no mind cannot possess mens rea (guilty mind), which is essential for conviction in a criminal case. So can a firm be convicted and punished?

SC Monday answered the tricky questions by holding that a company can be convicted even when it cannot have a guilty mind of its own and can also be punished, though the punishment of a jail term can be substituted by a fine.

A bench of Justices J B Pardiwala and Manoj Misra said there is a need to bring a law for corporate criminal liability but said the issue comes within the legislature's prerogative and it cannot be done by a court. It held that a company is not rendered immune to prosecution merely because the offence carries a mandatory sentence of imprisonment. Referring to a constitution bench ruling, the bench said a judicial discretion to impose a fine alone must be read into such provisions when dealing with juristic persons.

"The position under Indian law is thus clear that a corporation can be prosecuted for an offence notwithstanding that it carries a mandatory sentence of imprisonment or requires proof of mens rea. It appears that a corporation cannot be prosecuted only where the offence is punishable with imprisonment alone, or where the offence, by its nature, requires personal malicious intent, such that it is incapable of commission by a corporation at all," the bench said. SC passed the order on a plea by Sanofi India Ltd which said a prosecution against a corporation like it, for an offence requiring mens rea, is maintainable only where a natural person has been identified and arraigned as an accused alongside it. It said that corporations alone cannot be convicted and pleaded that proceedings against it should be quashed.

Will address colleagues' genuine concern: Isro chief

Bengaluru, Agency: Isro chairman V Narayanan Monday said genuine concerns of his colleagues would be clarified. "...If one or two people give you a letter, one cannot give a written communication immediately. Please understand, we are 20,000 employees. But we will address the employees," he said on the sidelines of Bengaluru Space Expo 2026 here.

Narayanan said that Isro had a system to regularly talk to employees. "...For example, when the space sector reforms were rolled out, from the Chairman onwards, we have regularly engaged with our employees," he added.

Earlier at the inaugural, Isro chairman and IN-SPACe chairman Pawan Goenka made a strong case for greater participation by industry, startups and academia in India's space programme, arguing that the country's expanding ambitions cannot be met by the national space agency alone.

Their remarks came a day after Isro and Goenka had released separate statements about the role of Isro, IN-SPACe and the private sector, which followed a letter by nine employees' associations raising concerns over the future role of Isro. Narayanan said Monday that India's requirements were set to rise sharply: "Our space programme is 64-65 years old. Right now, we have 56 space assets in serving the common man of the country. But the [future] need is huge. I think you all know that," he said, adding that industry would need to play a greater role in meeting that.

He said industry had, in any case, long been an integral part of India's space programme. "Whenever an LVM3 is lifting off or a GSLV is lifting off, please do not think that everything is done in Isro. Almost 80% of the budget is invested in Indian industry.

Balance needed between scientific probe and right to privacy, says SC

New Delhi, Agency: Supreme Court on Monday said technological advancements have made criminal investigation far more complicated and a challenge for the investigating agencies, as they get the stick from the court and the victim for not conducting the probe scientifically, and on the other hand, are accused of violation of privacy if they do. "A balance needs to be struck," said a bench of Chief Justice of India Surya Kant and Justices Joymalya Bagchi and V Mohana, while dealing with an application by journalist Abhishek Upadhyay, who claimed to be whistleblower on pilferage of Ram temple donations, and has accused Ghaziabad police of making an FIR in an alleged road rage case the pretext for seeking his digital footprints from June 1 from social media platforms to find his sources.

Janmashtami lights up Antilia: Inside the Ambani family's Janmashtami celebration

Mumbai, Agency: Antilia came alive with colour, devotion and festive cheer this week as the Ambani family celebrated Janmashtami, marking the birth of Lord Krishna.

Footage from the evening shows the family's signature blend of devotion, colour and festive joy, a celebration that, over the years, has become one of the most talked-about traditions in India's festival calendar.

The evening carried all the markers of a Janmashtami night. Flower-laden interiors dripping with strings of white and pink blooms, a dance floor painted with intricate motifs, and family members dressed in richly embroidered traditional silhouettes, deep purples, sea-greens, and reds threaded with gold. Prayers were offered with folded hands and floral garlands, following the rituals associated with the festival, which commemorates Krishna's birth at midnight and is celebrated across India and among Hindu communities worldwide with fasting, devotional singing, and the reenactment of Krishna's childhood.

What stood out most in the visuals was the warmth, the women in the family twirling with children on the dance floor, a toddler being lifted into a gentle embrace mid-celebration, and quieter moments of prayer tucked between the festivities.